Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर , वर्ष 19,अंक -47 शनिवार ,17 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

एकाग्र होने में क्या।
प्रत्येक
निर्णय आत्मा का निर्णय होता है।
-महर्षि अरविंद-

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट ने स्वामी चिन्मयानंद को घोषित किया भगोड़ा

शहरजनापुर ,16 दिसंबर 2022(ए)। शाहजहांपुर की एक अदालत ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वामी चिन्मयानंद को भगोड़ा घोषित कर दिया है। वह कोर्ट में उपस्थिति नहीं हुए थे।
चिन्मयानंद को 2011 में अपने पूर्व शिष्य द्वारा दर्ज कराए गए कदाचार के मामले में एसीजेएम कोर्ट में पेश होना था, लेकिन वह कोर्ट में पेश नहीं हुए, तो उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया।
कोर्ट ने उनके खिलाफ नोटिस जारी कर सभी पुलिस स्टेशनों को सूचना दे दी है।
उल्लेखनीय है कि मामले को 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार ने वापस लेने का प्रयास किया था, लेकिन शिकायतकर्ता द्वारा आपत्ति दर्ज कराने के बाद अदालत ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

क्रिकेटर मुनाफ पटेल के बैंक खाते सीज कर 52 लाख वसूले

नोएडा ,16 दिसंबर 2022(ए)। जिला प्रशासन ने यूपी रेरा की आरसी पर कार्रवाई करते हुए पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मुनाफ पटेल के बैंक खाते सीज कर 52 लाख रुपए वसूले। पूर्व क्रिकेटर निवास प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड में निदेशक हैं। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर 10 में निवास प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड का वन लीफ ट्राय नाम से आवासीय प्रोजेक्ट है।

ग्रामीणों ने बच्चे के हत्यारे को पीट-पीटकर मार डाला

बुलंदशहर ,16 दिसंबर 2022(ए)। जिले के सौजना झाया गांव में एक शराबी ने डेढ़ साल के बच्चे की गला काटकर हत्या कर दी। आरोपी की पहचान काजू उर्फ किशनपाल के रूप में हुई। बाद में बच्चे की हत्या से गुस्साए ग्रामीणों ने किशनपाल की भी जमकर पिटाई कर दी। बाद में उसकी अस्पताल में मौत हो गई। आरोपी ने घर के बाहर खेल रहे बच्चे को खेत में ले गया और उसकी हत्या कर दी। बच्चे के परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो उसका शव खेत में मिला और कुछ दूरी पर आरोपी खड़ा था। ग्रामीणों ने जब उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने उन पर चाकू से हमला कर दिया। इस पर ग्रामीणों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। बुलंदशहर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि ग्रामीणों ने किशनपाल की पिटाई की। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बिहार में ताबड़तोड़ छापेमारी,126 गिरफ्तार,अब तक 53 मौतें

सारण ,16 दिसंबर 2022(ए)। शराबबंदी वाले बिहार के सारण जिले के छपरा में जहरीली शराब से अब तक 53 लोगों की मौत हो गई। कई लोग अस्पतालों में मौत से जंग लड़ रहे हैं। आलम ये है कि कई गांवों में मातम छा गया। छपरा के बहरौली गांव का भी ऐसा ही हाल है। यहां एक साथ 11 लोगों की मौत जहरीली शराब पीने से हो गई।
वहीं दावा किया जा रहा है कि यह जहरीली शराब उसी स्प्रिट से बनी है जो मशरक थाने से चोरी हुई थी।
उधर, पुलिस इस मामले में पूरे सारण जिले में छापेमारी कर रही है। अब तक शराब के कारोबार से जुड़े 126 लोगों को गिरफ्तार किया है। 4 हजार लीटर से अधिक अवैध शराब भी जब्त की गई है। इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है।

सीएम नीतीश ने मुआवजा देने से किया इनकार

कहा-शराब पीकर लोग मर जाएंगे और हम...

पटना, 16 दिसंबर 2022(ए)। बिहार में जहरीली शराब के सेवन से बहुत से लोगो की मौत हो गयी है। इसी के साथ बिहार के राजनितिक गलियारो में भी खलबली मची हुई है। बिहार के छपरा में जहरीली शराबकांड में मृतकों की संख्या बढ़ती जा रही है। अबतक 53 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों के आंखों की रोशनी भी चली गई है।
वहीं विपक्षी बीजेपी नीतीश कुमार सरकार पर हमलावर हो गयी है। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी विपक्ष पर पलटवार करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। बिहार विधानसभा में सीएम नीतीश ने साफ कहा कि शराब से अगर मौत होती है तो इसके लिए मुआवजा नहीं दिया जाएगा। जो शराब पियेगा, वह मरेगा ही। उन्होंने कहा कि हम सबके हित के लिए काम कर रहे हैं। हम इस बात का प्रचार कर रहे हैं कि पिओगे तो मरोगे। गुजरात में इतने लोग मर गए, एक दिन बात हुई बस। उसके बाद किसी ने चर्चा नहीं की।
सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि शराब पीकर लोग मर जाएंगे और हम मुआवजा देंगे? सवाल ही पैदा नहीं होता. बता दें कि बीजेपी के नेता शराब से मौत के लिए नीतीश कुमार को जिम्मेदार बता रहे हैं और उनसे लगातार इस्तीफे की मांग पर कर रही है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि सांसों का सौदा करते हुए सत्ता के सौदागर के पास सहानुभूति का एक शब्द नहीं है। सत्ता के लिए नीतीश कुमार अंधे-बहरे हो गए हैं और आरजेडी के साथी गूंगे हो गए हैं। वहीं मंत्री नित्यानंद राय ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि नीतीश कुमार राज्य में शराबबंदी की असफलता छुपा रहे हैं। सीएम ने बिहार में शराबबंदी लागू तो कर दी, लेकिन असल में वो नहीं चाहते कि बिहार में पूर्ण रूप से शराब बैन हो। वहीं, प्रशांत किशोर ने शराबबंदी को एक विफल योजना बनाते हुए 48 घंटे के भीतर रद्द करने की मांग की है। साथ ही प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों को बीजेपी से सवाल पूछना चाहिए की जब आप सरकार में थे आपने शराबबंदी के लिए हटाने के लिए क्या काम किया।

कोरोना पीड़ित परिवार को देने होंगे 1 करोड़

अनुग्रह राशि की घोषणा से पीछे नहीं हट सकती दिल्ली सरकार:एचसी

नई दिल्ली,,16 दिसंबर 2022(ए)। कोरोना महामारी के कारण हुई मृत्यु के लिए दिल्ली पुलिस के सिपाही के स्वजन को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि भुगतान करने का यह कहते हुए निर्देश दिया कि अनुग्रह राशि के भुगतान के लिए की गई स्पष्ट घोषणा से दिल्ली सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह की पीठ ने मृतक की पत्नी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अधिकारियों के साथ ही प्रेसवार्ता की क्लिपिंग से स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार ने मृतक के स्वजन को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी।
गर्भवती याचिकाकर्ता के पति का दीप चंद बंधु अस्पताल में कोरोना महामारी के दौरान तैनाती के समय पांच मई 2020 को निधन हो गया। अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में एक सहानुभूतिपूर्ण विचार की आवश्यकता थी और मुआवजे के भुगतान में और देरी नहीं की जा सकती।

15 जनवरी को रिकॉर्ड पेश करने को कहा

वहीं, दिल्ली सरकार ने कहा कि इस संबंध में निर्णय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री के अनुमोदन से लिया जा सकता है। दिल्ली सरकार ने कहा कि ऐसे में इस पर विचार करके इसे भेजा जा सकता है। इस पर पीठ ने कहा कि 13 मार्च 2020 के कैबिनेट निर्णय के तहत मामले को मंत्रियों के समक्ष रखा जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णय से संबंधित रिकॉर्ड 15 जनवरी को पेश किया जाए।

मुख्यमंत्री के ट्वीट का दिया हवाला

याचिका में मृतक की पत्नी ने कहा था कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सात मई 2020 को उनके पति की मृत्यु के संबंध में किए गए ट्वीट का हवाला दिया। जिसमें मुख्यमंत्री ने मृतक के स्वजन को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद से वह अनुग्रह राशि के लिए इधर-उधर भटक रही हैं।

पायलटों की कमी से जूझ रहा है एयर इंडिया

नई दिल्ली,,16 दिसंबर 2022(ए)। देश के प्रमुख उद्योगपति रतन टाटा द्वारा संचालित एयर इंडिया पिछले कुछ महिनो से पायलटों की कमी से जूझ रहा है जिसके कारण उड़ान में देरी हो रही है और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एयर इंडिया की दो पायलट यूनियनों ने दावा किया है कि एयरलाइन के पास लंबी दूरी की उड़ानें संचालित करने के लिए पायलटों की कमी है।
इंडियन पायलट्स गिल्ड और इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन ने यह चिंता जताई है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने हाल में चालक दल की कमी के कारण उत्तर अमेरिकी क्षेत्र से आने-जाने वाली कुछ उड़ानों को रद्द और पुनर्निर्धारित किया था।

छत्तीसगढ़ आरक्षण:अब 16 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

रायपुर ,16 दिसंबर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में आरक्षण पर सुनवाई अब 16 जनवरी को होगी। आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर त्वरित याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। मगर आज राज्य सरकार की तरफ से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने वक्त मांग लिया।
अभिषेक मनु सिंघवी की तरफ से वक्त मांगे जाने पर कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तारीख तय कर दी है। राज्य सरकार की तरफ से सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि आरक्षण को लेकर राज्य सरकार ने प्रावधान किया है, लेकिन बहस के लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिये, जिसके बाद कोर्ट ने कहा कि इसे लेकर अगली सुनवाई 16 जनवरी रखते हैं।
अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ये बहुत संवेदनशील मुद्दा है, जिसे लेकर राज्य सरकार का पक्ष जानना बेहद जरूरी है। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम राहत पर सुनवाई 16 जनवरी तक टल गयी है। समाजिक कार्यकर्ता बीके मनीष ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जेंट हेयरिंग की याचिका दायर की है।
बता दें कि राज्य सरकार ने पिछले दिनों से झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर 76 प्रतिशत आरक्षण बिल को पास कराया था। इसके तहत 32 प्रतिशत आदिवासियों को अनुसूचित जाति-स्ष्ट को 13त्न और सबसे बड़े जातीय समूह अन्य पिछड़ा वर्ग-ह्रश्वष्ट को 27त्न आरक्षण मिलेगा। वहीं सामान्य वर्ग के गरीबों को 4त्न आरक्षण दिया जाना है। इस बिल पर राज्यपाल का हस्ताक्षर होना बाकी है। जिसे लेकर प्रदेश की राजनीति गरमायी हुई है।

जंगल सफारी के कंसल्टेंट को 1.86 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का आदेश रद्द किया हाईकोर्ट ने

वन विभाग को मिली राहत

बिलासपुर ,16 दिसंबर 2022(ए)। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कमर्शियल कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें जंगल सफारी का मास्टर प्लान और डीपीआर बनाने का काम लेने वाली फर्म को अनुंबध रद्द किए जाने के एवज में करीब 2 करोड़ रुपये का मुआवजा देने को कहा गया था। फर्म कोर्ट के समक्ष स्पष्ट नहीं कर पाया कि उसने कितना नुकसान उठाया है।

ये है मामला

रायपुर के अवर न्यायालय ने मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम के तहत 11 दिसंबर 2017 को एक आदेश पारित किया, जिसकी पुष्टि 30 अक्टूबर 2018 को वाणिज्यिक न्यायालय ने की। इस आदेश में कंसलटेंसी कंपनी लर्न नेचर कंसल्टेंट फर्म के पक्ष में शासन को आज से 3 महीने के भीतर 1 करोड़ 84 लाख 76 हजार 640 रुपये का भुगतान करने और मूल राशि पर प्रतिवर्ष 12 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का आदेश दिया। फर्म को निविदा प्रक्रिया के बाद नया रायपुर में जंगल सफारी परियोजना के विकास के विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और पर्यवेक्षण के बाद मास्टर प्लान तैयार करने का काम दिया गया था। मास्टर प्लान को अनुमोदन के लिए सेंट्रल जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सीजेडए) को भेजा गया।
निचली अदालत में फर्म ने बताया था कि उसने वन विभाग में डीपीआर दायर की थी, जिसे वन विभाग के माध्यम से सीजेडए को अनुमोदन के लिए भेजा जाना था। वन विभाग से वे अनुमोदन का पत्र प्राप्त करने का इंतजार कर रहे थे। किसी न किसी कारण से अनुमोदन प्राप्त नहीं हुआ। फर्म ने डीपीआर का 1 करोड़ 32 लाख रुपये का बिल बनाया था। इसका विभाग ने भुगतान नहीं किया। भुगतान के लिए जब फर्म ने वन विभाग को नोटिस दी तो विभाग ने अनुबंध को ही समाप्त कर दिया। इस पर फर्म ने मध्यस्थता में अपील की जहां से उसके पक्ष में आदेश दिया।
इस आदेश के विरुद्ध अपील करते हुए राज्य शासन ने हाईकोर्ट को बताया कि फर्म सीजेडए के दिशानिर्देशों के अनुरूप ले आउट बनाने में विफल रहा। इसके चलते मास्टर प्लान के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को वन विभाग ने मंजूरी नहीं दी। कई बार फर्म के साथ संपर्क कर त्रुटियों को सुधारने का अवसर दिया गया लेकिन वह अनुबंध की शर्तों का पालन करने में विफल रहा। इसके कारण अनुबंध समाप्त कर दिया गया। निचली अदालत का निर्णय दिया कि अनुबंध समाप्त करने का आदेश मनमाना एवं अवैध है और भुगतान का आदेश दिया।
हाईकोर्ट में जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल ने वाणिज्यिक न्यायालय के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि फर्म यदि नुकसान का दावा करते हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि वह नुकसान के होने को साबित करें। इसे अदालत के सिर पर यह कहते हुए नहीं डाला जा सकता कि यह विवरण है, जो मेरी क्षति हुई। मैं आपसे यह हर्जाना चाहता हूं। प्रकरण में हानि के विशिष्ट कारणों का पूरी तरह से अभाव है। वादी फर्म का दायित्व है कि वह नुकसान को निर्दिष्ट करे और नुकसान की सीमा को ठीक तरह से इंगित करे।

जम्मू-कश्मीर में बवाल, सेना की फायरिंग में 2 स्थानीय नागरिकों की मौत

जम्मू ,16 दिसंबर 2022(ए)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आर्मी कैंप के पास सेना के एक संतरी ने शुक्रवार सुबह कथित तौर पर गोलीबारी की। इस घटना में दो स्थानीय नागरिकों की जान चली गई, जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया। इसको लेकर गुस्साए लोगों ने राजौरी-जम्मू हाईवे जाम कर सेना के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया है।
शुरुआती जांच में सामने आया है कि सेना के एक संतरी ने शुक्रवार सुबह कथित तौर पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि पीड़ित जो कथित तौर पर सेना के साथ कुलियों के रूप में काम कर रहे थे। सुबह करीब 6.15 बजे वह एक सैन्य शिविर के अल्फा गेट के पास आ रहे थे, इसी दौरान उन पर गोलीबारी की गई।

बुजुर्ग ने कांग्रेस की टिकट मांगी तो सीएम ने हेलीकॉप्टर में घूमने का दिया आमंत्रण

उन खटोले की सवारी कर — गदगद हुई चैनसिंह दंपत्ति

महासमुंद ,16 दिसंबर 2022(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल महासमुन्द विधानसभा के ग्राम शेर में भेंट-मुलाकात में लोगों से संवाद कर रहे थे, इस दौरान उनसे स्थानीय ग्रामीण चैन सिंह ध्रूव ने बड़ी रोचक बात की, चैन सिंह ने मुख्यमंत्री से कहा जब से आप मुख्यमंत्री बने हैं, मेरा भाग्य खुल गया है। साथ ही परिहास करते हुए जब चैन सिंह ने कांग्रेस की टिकट की मांग की, तब मंच सहित कार्यक्रम स्थल पर हास परिहास का दौर शुरू हो गया, इसी बीच मुख्यमंत्री ने चैन सिंह को हेलीकॉप्टर में सपत्निक घुमाने के लिए आमंत्रित किया।

पत्नी रह चुकी है जनपद सदस्य

हाथ में माइक थामे चैन सिंह ने बताया कि उसकी पत्नी जनपद सदस्य रह चुकी है। सीएम ने परिहास करते हुए पूछा कि ÷आज भौजी ला कबर ले के नई आये? मैं सोचत रहें कि कल दुनो ला हेलीकॉप्टर मा रइपुर ले जातें। यह सुनते ही चैनसिंह चहक उठा। वह हेलीकॉप्टर में जाने के लिए तुरंत तैयार हो गया। अगली सुबह मुख्यमंत्री जब रायपुर रवाना होने के लिए पहुंचे तब वहां मौजूद चैन सिंह और उसकी पत्नी ने उनका अभिवादन किया। इसके बाद सीएम के साथ इस आदिवासी परिवार हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए उड़ान भरी। चैन सिंह दंपत्ति ने हेलीकॉप्टर की सवारी कर ख़ुशी का इजहार किया।

चार पैर वाली बच्ची को देखने के लिए उमड़ा जनसैलाब

भोपाल ,16 दिसंबर 2022(ए)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में कमलाराजा अस्पताल में एक महिला ने चार पैर वाली बच्ची को जन्म दिया है। अब इस बच्ची को देखने के लिए वहां लोगों की भीड़ जुटने लगी है। बच्ची के चार पैर को देखकर हर कोई हैरान है।
डॉक्टर ने भी यह जानकारी दी है। डॉक्टर की ओर से कहा जा रहा है कि इसे मेडिकल की भाषा में इशियोपेगस कहते हैं। यह लाखों में से 1 बच्चे में होता है, जब अतिरिक्त अंग विकसित हो जाते हैं।
अस्पताल के आसपास लोगों का जमावड़ा भी लग गया है। फिलहाल डॉक्टर्स नवजात को न्यूबॉर्न केयर यूनिट में रखे हुए हैं। डॉक्टर्स पर नजर भी बनाए हुए हैं। हालांकि जैसे-जैसे यह खबर फैल रही है, वहां लोगों का जमावड़ा और भी ज्यादा बढ़ता जा रहा है। हर कोई जानने की इच्छा भी रख रहा है कि आखिर यह कैसे हुआ है। इसको लेकर डॉक्टर ने ने भी मेडिकल जानकारी दी है। डॉक्टर की ओर से कहा जा रहा है कि इसे मेडिकल की भाषा में इसे इशियोपेगस कहते हैं। यह लाखों में से 1 बच्चे में होता है, जब अतिरिक्त अंग विकसित हो जाते हैं।

CMYK

संपादकीय

चुनाव से पहले नीतीश कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं?

यह ठीक है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के नेता और अपने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकार बता दिया है। उन्होंने खुले शब्दों में कहा है कि बिहार के लिए अब आगे का काम तेजस्वी करेंगे। फिर विधानसभा में उन्होंने कहा कि 2025 का चुनाव तेजस्वी का नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर लाख टके का सवाल है कि नीतीश कुमार अगले चुनाव से पहले कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं? वे अपनी कुर्सी छोड़ कर विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी के नता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे या नहीं?

अगला चुनाव तेजस्वी की कमान में लड़ना एक बात है लेकिन वह कमान कैसी होगी? राजद और जदयू का गठबंधन तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर चुनाव लड़ेगा या बतौर मुख्यमंत्री तेजस्वी चुनाव में उतरेंगे? राजद और जदयू के नेता इसे कोई बड़ी बात नहीं मान रहे हैं। राजद वाले खुश हैं कि नीतीश कुमार ने भतीजे तेजस्वी के लिए रास्ता खाली कर दिया। पर रास्ता खाली कहां हुआ है? अगर नीतीश ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहेंगे तो तेजस्वी के लिए 2025 का चुनाव आसान नहीं होगा। वैसे भी 2025 के चुनाव के बाद क्या समीकरण बनेगा और एक दर्जन पार्टियों वाले राज्य बिहार में सीटों का क्या समीकरण उभरता है यह कौन जानता है!

एक बड़ा सवाल यह भी है कि जब नीतीश कुमार पूरे देश की राजनीति करनी है और विपक्ष को एकजुट करके 2024 में भाजपा को हरान है, भाजपा मुक्त भारत बनाना है तो क्या यह काम वे बिहार का मुख्यमंत्री रहते ही करेंगे या मुख्यमंत्री पद उसी समय छोड़ देंगे? अगर उनको मोदी के लिए चुनौती तैयार करनी है तो कायदे से उनको मुख्यमंत्री पद छोड़ कर लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहिए और फ्रंट से लीड करना चाहिए। अगर वे कह रहे हैं कि भाजपा को हराने के लिए वे जो मोर्चा बना रहे हैं वह कोई थर्ड फ्रंट नहीं होगा, बल्कि मेन फ्रंट होगा तो उसके फ्रंट में तो खुद उनको होना होगा।

नीतीश कुमार 2024 में मोदी को हराने की बात कर रहे हैं और तेजस्वी के 2025 में कमान संभालने की बात कर रहे हैं तो यह बात कुछ जमती नहीं है। इसका यह भी मतलब है कि वे खुद ही 2024 की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं और इसलिए उसके बाद भी सीएम की कुर्सी पर जमे रहना चाहते हैं। अगर उनको 2024 के लिए भरोसा है तो तेजस्वी को डेढ़ साल और क्यों इंतजार कराना है? वे पहले ही उनको सीएम बना दें और डेढ़ साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद तब तेजस्वी 2025 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन का नेतृत्व करें! अगर ऐसी नहीं होता है तो नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठते रहेंगे। तभी बिहार भाजपा के नेताओं ने कहा है कि अगर 2024 में नीतीश का अभियान कामयाब नहीं होता है तो वे फिर पलटी मार सकते हैं।

मर रहीं हैं जिंदगी जीने के लिए

साथ रहकर कर कुछ महिने मेरे,
अब छोड़ दिया है तूने हाल पर मेरे,
तन्हाइयों को तूने मेरी ज्यादा किया,
दूर जाकर इस दिल से मेरे,
बड़ा अहम रोल रहा घर का तेरे,
जिसने झूठा अहम भरा मन में तेरे,
तूने भी कुछ नहीं सोचा खुद के बारे,
अब कैसे आऊं मैं दर पर तेरे,
लेकर आया था संदेशा घर पर,
उस थाने का थानेदार मेरे,
कुछ उल्टा सीधा लिखा था उसमें,
जो शिकायत खिलाफ दी मेरी तूने ,
बात यहां तक भी रहती सुलझ जाती,
अब बुलाने लगी है कोर्ट भी मुझे,
तूने एक बार अपना घर नहीं समझा,
मां बाप तेरे भी तों हैं जैसें हैं मेरे,
इल्ज़ाम लगाएं है बेतुके तुने,
किस-किस का जवाब दूं तूझे किस लिए,
मैंने लगा दिया है सब कुछ दांव पर,
घर की इज्ज़त अब बचाने के लिए,
तूं जीत रही है हर बार मुझसे,
मैं तुझ से हार रहा हूं अपने घर के लिए,
सामान तो उठवा लिया है तूने अपना,
मेरा घर खाली है अब तो तेरे लिए,
सब्र अब भी नहीं आया तुझको,
बेसब्र हो रहे हो मुझे अंदर करवाने के लिए,
मैं अकेला सब झेल रहा दांव पेंच तेरे,
ज़ख्मी तो हो गया हूं मरहम है दूर अब मेरे लिए,
मेरी और से आज़ाद है तूं अब,
कोई और घर ढूंढ शिकार बनाने के लिए,
मुझे तो लुट लिया इन तेरी तारीखों ने,
अब किसी और को देख दिल बहलाने के लिए,
बंद हो ऐसा प्रचलन जो शुरू हुआ आजकल,
मर रहीं हैं जिंदगी जीने के लिए,
कुछ समझ नही क्या हो गया है जमाने को,
अपना घर अपने ही हाथों उजाड़ने के लिए,

रामेश्वर दास भान
करनाल हरियाणा

आक्रोश

मुझे आक्रोश है आज भी
उन लोगों से जिन्होंने
मेरा साथ तब छोड़ा
जब मुझे सबसे ज्यादा जरूरत थी।
मुझे आक्रोश है आज भी
उन लोगो से जिन्होंने
मेरी मोहब्बत को तब ठुकरया
जब मुझे किसी के प्यार की जरूरत थी।
मुझे आक्रोश है आज भी
उन लोगो से
जिन्होंने अपना बनाकर
मुझे गले तो लगाया पर
मेरी पीठ पीछे खंजर भी चुभाआ।
मुझे आक्रोश है आज भी
उन लोगो से जिन्होंने
मुझसे अपना मतलब निकाला
मगर मेरी जरूरत के समय
मुझे ठुकराया।

राजीव डोगरा
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

जम्मू कश्मीर में हिंसा और आतंक का स्थाई हल खोजने की महती आवश्यकता

पाक समर्थित आतंकवादी यह नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर में फिर शांति सद्भावना स्थापित हो और कश्मीरी ब्राह्मण वापस आकर रहने लगे। यह आतंकवादी इस मंतव्य से जाति विशेष के लोगों की हत्या कर रहे हैं कि वहां पर जातिगत वैमनस्यता भड़का कर घाटी में ज्यादा से ज्यादा अशांति का संचार हो और वह अपने मकसद पर कामयाब हो जाए। इधर एलएसी में नापाक चीन द्वारा तवांग घाटी में घुसपैठ करने की कोशिश की गई जिसका भारतीय सेना ने मुंह तोड़ जवाब देकर उन्हें वापस खदेड़ा गया। एलओसी और एलएसी पर माहौल काफी चिंतनीय है और सीमा पर स्थाई समाधान खोजने की परम आवश्यकता है। जम्मू कश्मीर में 370 धारा हटाने के बाद पाकिस्तान लगातार तिलमिलाया हुआ है, और वहां शांति,अमन फैलने से काफी बेचैन भी है। कश्मीर में चरमपंथी, कश्मीरी पंडितों की वापसी के बीच अल्पसंख्यकों का भरोसा तोड़ना चाहते हैं। कश्मीर में विगत 30 वर्षों से आतंकवादी हिंसा से 35 से 40 हजार लोगों की हत्या हो चुकी है। चरमपंथी जम्मू कश्मीर की शांति स्थापना के प्रयास को तोड़ना चाह कर, वहां अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। अत्यंत उल्लेखनीय है कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के बाद केंद्र सरकार का वहां पर विकास की योजनाएं लागू करने पर पूरा जोर लगा रही है। चुनाव कराने की घोषणा के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तीव्रता के साथ बढ़ रही हैं। भारत-पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम के बाद सीमाओं पर आए दिन होने वाली गोलीबारी तो शांत है। इसका मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी आतंकी हरकतों से बाज आ गया है। वह सीमा के पास लांच पैड से लगातार आतंकी हमलावारों को भारत की सीमा में प्रवेश कराने की कोशिश कर रहा है। एक प्रकरण में विगत दिनों सीमा पार करते हुए 4 में से 3 आतंकियों को मार गिराया गया एवं एक आतंकी को पकड़कर हिरासत में भी लिया गया। पकड़े गए आतंकवादी के बयान के अनुसार पाकिस्तान तथा उसकी खुफिया एजेंसी आई, एस, आई की पूरी पोल खुल गई है। और पाकिस्तान का आतंकवादी चेहरा बेनकाब हो गया है। पाकिस्तानी आतंकवादियों का फिर से 1990 वाली स्थिति में कश्मीर को लाने का प्रयास किया जा रहा है। उस समय कश्मीरी पंडित हिंसा और दहशत से घबराकर कश्मीर छोड़ कर चले गए थे। उन्होंने अपनी संपत्ति को छोड़कर तस्वीर से

पलायन किया था। अब 370 धारा हटाने के बाद केंद्र सरकार का यह प्रयास लगातार जारी है कि कश्मीरी पंडित वापस जम्मू कश्मीर में अपनी बेची हुई या छोड़ी हुई जगह पर आकर फिर से काबिज हों एवं कश्मीर में फिर से शांति बहाल का बेहतरीन माहौल तैयार हो। वहां पर पर्यटन तथा उद्योगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इन परिस्थितियों में पाकिस्तान बिल्कुल नहीं चाहेगा की जम्मू कश्मीर उनके हाथ से निकल कर पूरी तरह भारतीय सरकार की गिरफ्त में हो। पाकिस्तान का यह प्रयास है कि केंद्र शासन चीन के साथ लद्दाख तथा अरुणाचल प्रदेश की सीमा में व्यस्त होने के कारण, वह अपने आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर की सीमा में प्रवेश कराकर घाटी में आतंक का साया स्थापित कर सकता है,तो यह पाकिस्तान और आई,एस,आई को समझ लेना चाहिए कि भारत अपनी सीमा की रक्षा करने में सक्षम तो है ही साथ ही अंतरराष्ट्रीय मित्र देशों का भी उसके साथ समर्थन है। उधर पाकिस्तान की स्थिति यह है कि कुछ मुस्लिम देशों को छोड़कर पूरी मुस्लिम देशों की बिरादरी पर वह अलग-थलग पड़ गया है। उसकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और अपने मालिक चीन की आर्थिक सहायता के दम पर वह देश का खर्चा चला रहा है। अमेरिका को पिछले दो दशकों से अफगानिस्तान में अमेरिका को लगातार धोखे में रख तालिबानी आतंकवादियों की तन मन धन से सहायता कर वैश्विक अशांति को फैलाने का प्रयास कर रहा है। कश्मीर घाटी में विगत 10 दिनों में जिस तरह से आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है यह स्पष्ट संकेत करते हैं कि पाकिस्तान सरकार और उसकी खुफिया एजेंसी आई,एस,आई तालिबान में आतंकवादियों की दिशा भारत के जम्मू कश्मीर की तरफ मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवादी अल्प संकट हिंदुओं को निशाना बनाकर उनके धार्मिक स्थलों क्षतिग्रस्त कर आस्था पर चोट करने का प्रयास कर रहे हैं। यह विदित है कि पाकिस्तान की सीमा से लगा कश्मीर सामरिक दृष्टि से भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इन हालातों को मद्दे नजर रख भारत को सजग रहकर चौकी करनी होगी आतंकी घटनाओं पर जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर सिन्हा जी ने आश्वस्त किया है कि आने वाले कुछ दिनों में इन आतंकियों का पूर्ण रूप से सफाया कर दिया जाएगा और फिर सेना तथा जम्मू कश्मीर पुलिस अमन चैन स्थापित करने का प्रयास करेगी। यह एक अच्छी खबर है कि भारत सतर्क एवं सावधान है। पिछली जुलाई तक मारे गए 136 आतंकवादियों में 15 आतंकवादी विदेशी थे। मई महीने में आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का एक दुर्दांत आतंकी जुनेद सरई श्रीनगर एनकाउंटर में मारा गया था। अब यह अत्यंत जरूरी हो गया है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को समूल नष्ट किया जाए। जम्मू कश्मीर में फिर से शांति बहाल होकर विकास की नई धारा प्रवाहीत की जानी चाहिए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी रायपुर छत्तीसगढ़,

मन ही सब कुछ है आपको क्या लगता है आप क्या बनेंगे?

बुद्ध ने कहा कि - सभी समस्याओं का कारण उत्साह है अर्थात इच्छा की अधिकता और इच्छा मन से आती है। इसलिए मन को नियंत्रित और संतुलित करना आवश्यक है। भारतीय संस्कृति और शास्त्र हमें अपने मन को नियंत्रित करने के तरीके सिखाते हैं। संतुलित मन के लिए प्राचीन संत वर्षों से योग किया करते थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की भारत सरकार की पहल इस दिशा में एक और कदम है। यह मुहावरा - ÷मन ही सब कुछ है, जो आप सोचते हैं आप बन जाते हैं÷ सभी पहलुओं में सही है। इसलिए केवल एक स्वस्थ शरीर ही नहीं बल्कि एक स्वस्थ और प्रसन्न मन और आत्मा भी महत्वपूर्ण है। हमारा दिमाग हमारे शरीर में सबसे शक्तिशाली तत्व है, हालांकि सबसे संवेदनशील भी है। हमारा शरीर जो भी कार्य करता है वह मन द्वारा निर्देशित होता है- हमारी गति, हमारी भावनाएं, भावनाएं और सबसे महत्वपूर्ण सोच और तर्क। मन की उपस्थिति के कारण मनुष्य पृथ्वी पर सबसे विकसित प्राणी है। हम अपने आस-पास जो भी परिवर्तन देखते हैं, स्वाभाविक रूप से प्रदान की गई चीज़ों से परे की रचनाएँ, मन की रचनाएँ हैं। यद्यपि कुछ रचनाओं को लाभकारी कहा जाता है तो कुछ हानिकारक होती हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमारा दिमाग उन्हें कैसे और कहाँ उपयोग करता है।

शक्ति प्रकृति का सार है। इसे शारीरिक और मानसिक में वर्गीकृत किया जा सकता है। जब हम दोनों की तुलना करते हैं, तो हम देखते हैं कि मानसिक शक्ति (दिमाग) ही हर चीज का सार है। हिटलर के बारे में सोचिए - एक छोटे कद के आदमी के पास इतना शक्तिशाली दिमाग था कि वह दुनिया को जीतने के बारे में सोचता था कि आज उसे कैसे याद किया जाता है। गांधी के बारे में सोचें - भारत की आजादी के लिए जिम्मेदार एक शांत और शक्तिशाली दिमाग वाला एक कमजोर शरीर वाला व्यक्ति। इस तरह उन्होंने सोचा कि वे बन गए और इसलिए उन्हें याद किया गया। गांधी कुछ भी हासिल करने के लिए मन और आत्मा की शक्ति में विश्वास करते थे।

एक अलग विभाग के रूप में मनोविज्ञान और मानव व्यवहार के अध्ययन की आज बहुत प्रासंगिकता है। मैकियावेली और हॉब्स जैसे प्राचीन राजनीतिक विचारकों ने एक स्वस्थ समाज के लिए मन और मानव व्यवहार के अध्ययन पर जोर दिया। हम दुनिया भर में कई आत्मघाती मामले देखते हैं। भारत के बड़े जनसांख्यिकीय लाभांश और बेरोजगारी दर के मामले में हम इसकी प्रासंगिकता पाते हैं। हाल के दिनों में वित्तीय बोझ के कारण किसानों की आत्महत्या के मामले संबंधित हो सकते हैं। समान स्थितियों वाले अन्य क्षेत्र हैं - शिक्षा, धार्मिक और क्षेत्रीय विविधताएँ। लोगों का दूसरों के प्रति असहिष्णु होना एक स्वस्थ और शांतिपूर्ण समाज के लिए एक समस्या है।

बुद्ध ने कहा कि - %सभी समस्याओं का कारण उत्साह है% अर्थात इच्छा की अधिकता और इच्छा मन से आती है। इसलिए मन को नियंत्रित और संतुलित करना आवश्यक है। भारतीय संस्कृति और शास्त्र हमें अपने मन को नियंत्रित करने के तरीके सिखाते हैं। संतुलित मन के लिए प्राचीन संत वर्षों से योग किया करते थे। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की भारत सरकार की पहल इस दिशा में एक और कदम है। यह मुहावरा - ÷मन ही सब कुछ है, जो आप सोचते हैं आप बन जाते हैं÷ सभी पहलुओं में सही है। इसलिए केवल एक स्वस्थ शरीर ही नहीं बल्कि एक स्वस्थ और प्रसन्न मन और आत्मा भी महत्वपूर्ण है। मन ही सब कुछ है। आप जो सोचते हैं, वही बन जाते हैं - भगवान बुद्ध की एक सुंदर उक्ति। उन्होंने ठीक ही कहा कि कर्म आत्म परिवर्तन के लिए प्रमुख अंतर्निहित कारक है और कर्म मन द्वारा नियंत्रित होता है। यहाँ मन आत्म बोध और स्वयं की स्थिति और स्थिति की अवधारणा को संदर्भित करता है जो जागृति की स्थिति की ओर ले जाता है। एक जागृत मन कर्म (क्रिया) को अपने स्वयं के व्यक्तित्व को बदलने की एक सतत प्रक्रिया के रूप में बदल देता है जो अंत में वैसा ही अवतार लेता है जैसा कोई बनना चाहता था।

एक वैज्ञानिक के रूप में लोकप्रिय होने से पहले, अल्बर्ट आइंस्टीन पोस्ट ऑफिस में क्लर्क के रूप में काम कर रहे थे। बचपन से ही कई अनुत्तरित प्रश्नों के उत्तर खोजने की उनकी जिज्ञासा ने एक शोधकर्ता के रूप में उनके सोचने के तरीके को ढाला। जाने-अनजाने में उनके दिमाग में एक प्रतिभाशाली वैज्ञानिक का जन्म हो गया था और अंत में अपने कई वर्षों के शोध और निष्कर्षों के बाद, उन्होंने विश्व के प्रसिद्ध सिद्धांत - ÷सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत÷ की अवधारणा दी। न्यूटन, एडिसन, डॉ. रमन आदि के साथ भी यही हुआ। सूची अंतहीन है। महात्मा गांधी ने एक सदाचारी व्यक्ति होने और दक्षिण अफ्रीका में हिंसा और अत्याचार के खिलाफ लड़ने की अपनी क्षमता को महसूस किया। उनकी सोच और अहिंसा, समानता और मानवता के सिद्धांत ने उनके पूरे व्यक्तित्व को एक वकील से राजनीतिक नेता के रूप में बदल दिया, जो अपनी अंतिम सांस तक दमन और हिंसा के खिलाफ लड़ते रहे। उनके विपरीत, सरदार भगत सिंह ने हिंसा के माध्यम से आजादी की लड़ाई लड़ी। अहिंसा में उनका अविश्वास और हथियारों और गोला-बारूद के माध्यम से लड़ाई के दावे ने उन्हें हमेशा के लिए एक महान क्रांतिकारी नेता बना दिया।

यह दिमाग और सोचने की प्रक्रिया है जिसने अशोक, अलेक्जेंडर, नेल्सन मंडेला, मदर टेरेसा, रवींद्र नाथ टैगोर, लिंकन, एडॉल्फ हिटलर और कई अन्य को जन्म दिया। समकालीन दुनिया में, उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति - किम जोंग-उन और हमारे प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी अनुकरणीय उदाहरण हैं। हिंसा, बल, दावे और बाहुबल के विश्वास अनुवर्ती सिद्धांत ने किम जोंग को आधुनिक समय के एक अत्याचारी नेता के रूप में बदल दिया। दूसरी ओर, शासन करने की राजनीतिक खोज ने श्री मोदी में महान नेतृत्व की गुणवत्ता पैदा की जो उन्हें सड़क से संसद तक ले आई। ऐसे कई उदाहरण भी हैं जो बताते हैं कि कैसे एक व्यक्ति ने खुद को एक नए अवतार में बदल लिया। यह मन में अंकुरित विश्वास, विश्वास, विचार और सिद्धांत ही हैं जिन्होंने असंख्य व्यक्तित्वों को मसीहा, नेता, विचारक या शैतान में बदल दिया। इसलिए महात्मा बुद्ध ने कर्म करने से पहले अपने विचारों को सुधारने पर बल दिया है। बिना तथ्य को जाने या कुछ धारणाओं के आधार पर किसी भी बात के लिए आलोचनात्मक होना मूर्ख की विशेषता है। उन्होंने मन और सोचने की प्रक्रिया को केंद्रित और जागरूक बनाने का तर्क दिया और फिर कर्म के माध्यम से ही कोई वह हासिल कर सकता है जो वह पाना चाहता है। कर्म या कार्य मन द्वारा नियंत्रित होते हैं और इसलिए, एक व्यक्ति जो सोचता है, उसके व्यक्तित्व को अंततः उस तरह से रूपांतरित किया जाएगा। व्यक्तित्व को मन द्वारा तैयार किया जाता है जो कुछ कार्यों को करने या न करने की ओर ले जाता है और अंत में हम विशिष्ट विशेषताओं वाले व्यक्ति को देखते हैं। इसलिए मनुष्य का व्यक्तित्व इतना विविधतापूर्ण है। गीता में ठीक ही कहा गया है कि प्रभु सर्वत्र हैं । भगवान को जानने के लिए आपको भगवान बनना होगा । इसका अर्थ है, आपकी दृष्टि में पूर्णता होनी चाहिए, आपके हृदय में दया और मन में पवित्रता होनी चाहिए। एक शुद्ध और तर्कसंगत मन केवल सहानुभूति और आनंद का विकास कर सकता है। तब आपका हृदय एकता की ध्वनि सुनने में सक्षम हो जाता है और आपकी दृष्टि आकाश के पार देख सकती है। आपके लिए परम ज्ञान और सत्य का द्वार खुल जाता है। तब आप हर जगह, यहां तक कि अपने आप में भी भगवान को पाते हैं।

डॉ सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी,
हरियाणा

चीन से भारत का व्यापार

हाल ही में चीन के कस्टम विभाग की ओर से प्रकाशित भारत-चीन के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच जनवरी 2022 से सितम्बर 2022 के बीच नौ महीनों के दौरान द्विपक्षीय कारोबार 103.63 अरब डालर का हुआ है । इस अवधि में चीन से भारत के लिए निर्यात 89.66 अरब डालर रहा है। इसमें 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है । वहीं, इस अवधि में भारत से चीन के लिए केवल 13.97 अरब डालर का निर्यात हुआ है और इसमें 36.4 प्रतिशत की गिरावट रही है। ऐसे में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 75.69 अरब डालर रहा है । गौरतलब है कि पिछले वर्ष दोनों देशों के बीच पूरे वर्ष में 125 अरब डालर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ था । बीते वर्ष चीन का भारत के लिए निर्यात 46.2 प्रतिशत बढकर 97.52 अरब डालर रहा था, जबकि भारत से चीन के लिए निर्यात 34.2 प्रतिशत बढकर 28.14 अरब डालर रहा था । इस अवधि में भारत का व्यापार घाटा. 69.38 अरब डालर रहा था । ऐसे में स्पष्ट है कि इस वर्ष 2022 में चीन से व्यापार घाटा और व्यापार असंतुलन और बढ़ेगा । यहां यह उल्लेखनीय है कि चीन से भारत में आने वाले सामान में विभिन्न उद्योगों के उत्पादन में काम आने वाले कच्चे माल, केमिकल्स, दवाईयों, इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रनिक जैसे सामानों की अधिकता है । चीन से भारत के द्वारा किए कुल आयात का एक बड़ा हिस्सा पशु या वनस्पति वसा, अयस्क, लावा और राख, खनिज ईंधन, अकार्बनिक रसायन, कार्बनिक रसायन, उर्वरक, कमाना या रंगाई के अर्क, विविध रासायनिक उत्पाद, प्लास्टिक, कागज और पेपरबोर्ड, कपास, कपड़े, जूते, कांच और कांच के बने पदार्थ, लोहा और इस्पात, तांबा, परमाणु रिएक्टर, बॉयलर, मशीनरी और यांत्रिक उपकरण, विद्युत मशीनरी और फर्नीचर से सम्बन्धित है । देश में अभी भी दवाई उद्योग, मोबाइल उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग, वाहन उद्योग तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं । यद्यपि चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्षों में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। देश के कई उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। इस डगर पर तेजी से आगे बढ़ना जरूरी है । उल्लेखनीय है कि अब विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) संबंधी नई अवधारणा और नई लॉजिस्टिक नीति सितम्बर 2022 के प्रावधानों के उपयुक्त क्रियान्वयन से सेज में उपलब्ध संसाधनों के पूरे उपयोग से घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण विनिर्माण किया जा सकेगा और चीन को निर्यात बढ़ाकर चीन से आयात भी कम किये जा सकेंगे । वस्तुतः अब सेज की नई अवधारणा के तहत सरकार के द्वारा सेज से अन्तर्राष्ट्रीय बाजार और राष्ट्रीय बाजार के लिए विनिर्माण करने वाले उत्पादकों को विशेष सुविधाओं से नवाजा जायेगा । सेज में खाली जमीन और निर्माण एरिया का इस्तेमाल घरेलू व निर्यात मैन्युफैक्चरिंग के लिए हो सकेगा । सेज में पूर्णकालिक पोर्टल के माध्यम से कम क्लीयरेंस की सुविधा होगी व मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने के लिए जरूरी सभी प्रकार के क्लीयरेंस भी वहीं दिये जायेंगे । राज्यों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जायेगा । इंफ्रास्ट्रक्चर खासकर लाजिस्टिक की सुविधा बढने से उत्पादन लागत कम होगी और भारतीय वस्तुएं अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में आसानी से मुकाबला कर सकेंगी ।

-अजय दीक्षित-

जनकःनये दौर में पिता की भूमिका

आजकल बच्चों के पालन पोषण में पिता की भूमिका बिल्कुल बदल गई है सुखी और खुशहाल परिवार में बच्चों के पालन पोषण में माँ के साथ पिता का भी काफी महत्वपूर्ण योगदान होता है। आज के दौर में जो पिता ऐसा नहीं करते उन्हें अपने आप को बदलना चाहिए और अपनी भूमिका को नए ढंग से निभाना चाहिए। अगर पति-पत्नी दोनों कामकाजी है तो उसमें पिता की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी की माँ की। बच्चे के छोटे-छोटे काम खुद करने की आदत हर पिता को डाल लेनी चाहिए।

एक जमाना था जब बच्चों की पालन पोषण की जिम्मेदारी पूरी तरह सिर्फ औरतों के कंधों पर थी गर्भावस्था के दौरान गर्भवती स्त्री घर की अन्य बुजुर्ग की स्त्रियों के संरक्षण में रहती थी बच्चे के जन्म के बाद भी एक लंबे समय तक पिता परिदृश्य में कहीं नजर नहीं आते थे अगर वह भूमिका में था तो केवल नाम मात्र के लिए। बेटी के विवाह योग्य होने पर योग्य वर की तलाश और विवाह के लिए धन का प्रबंध करना यह केवल एक पिता की जिम्मेदारी होती थी। बहुत से गाँव और कट्टरपंथी संयुक्त परिवारों में आज भी यह स्थिति है। लेकिन बड़े-बड़े महानगरों में कामकाजी पत्नी और परिवार की परंपरा जिस तेजी से जोर पकड़ रही है उसी तेजी से जैसे पालन और उससे जुड़ी जिम्मेदारियों में भी माता पिता की भूमिका में भेदभाव खत्म सा हो रहा है। आज बच्चे के गर्भ में आते ही होने वाला पिता उत्साहित सा हर जगह पत्नी के साथ दिखाई पड़ता है उसकी भूमिका में तेजी से बदलाव आ रहा है और उसने अपनी जिम्मेदारियाँ भी बढ़ा ली है। जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी है और अकेले रहते हैं वहां बच्चे के गर्भ में आते ही पिता की भूमिका आरंभ हो जाती है और सुखद बात यह है कि आज के युवक इस जिम्मेदारी को बखूबी समझ और निभा रहे हैं गर्भ के दौरान होने वाली छोटी बड़ी परेशानियों प्रसव पीड़ा और शिशु जन्म के समय पति हर पल पत्नी के साथ होता है परिवार में किसी और सदस्य के मौजूद नहीं होने के कारण गर्भवती स्त्री भी पूरी तरह से पति पर निर्भर होती है। आज युवक अपनी पत्नी की देखभाल करने में हिचकते नहीं बल्कि वे भी कंधे से कंधा मिलाकर पूरा सहयोग देते रहते हैं।

एक पिता होने का एहसास और सुख उनके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई देता है। बच्चे के पालन पोषण से जुड़ी हर नई और पुरानी जानकारी को वे बड़े उत्साह से इकट्ठा करते हैं और बच्चों के पालन पोषण में पिता की भूमिका की जरूरत और महत्व को स्वीकारते हुए सरकारी और बहुत सी निजी संस्थाओं में पितृत्व अवकाश की सुविधा पुरुष कर्मचारियों को भी प्रदान की जाने लगी है। आज पुरुषों की सोच बदलने लगी है उनका मनोविज्ञान बदलने लगा है आजकल पुरुष अपनी आंखों से अपनी पत्नी की प्रसव पीड़ा को सामने से देख सकते हैं ताकि उन्हें यह पता लग सके कि बच्चे के जन्म के समय माँ किस तरह असहनीय पीड़ा झेलती है, जिसकी वजह से पत्नी और बच्चे के प्रति पिता में खुद-ब-खुद प्रेम की भावनाएं जागृत होने लगती है और वह पत्नी के साथ बच्चे का भी ध्यान रखते हैं। यदि एक पुरुष अपनी पत्नी का ख्याल रखते हैं तो वहाँ गर्भावस्था के दौरान पत्नी और बच्चा दोनों स्वस्थ रहते हैं और समस्याएं ही कम होती हैं। जो स्त्रियाँ अपने स्वास्थ्य, खानपान और दवाइयों के प्रति लापरवाह होती हैं उनके लिए पति की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है जब अचानक प्रसव पीड़ा होती है तो प्राथमिक उपचार के लिए वह अपनी पत्नी को तुरंत डॉक्टर के पास ले जाते हैं ऐसे में पति का पास होना उनका स्नेह भरा हाथ और उनके आश्वासन भरे बोल प्रसव पीड़ा झेल रही स्त्री को कई प्रकार के तनाव से मुक्त करते हैं। वह रात भर लगातार घड़ी देखते रहते हैं और नोट करते रहते हैं कि कितने समय पर उठना है और अपने बच्चे और पत्नी का ध्यान देना है। ज्यादातर बच्चे क्योंकि रात में जागा करते हैं और उस समय पत्नी पूरी तरह से कमजोर होती है, इसलिए पिता बारी-बारी से जागकर अपने बच्चे की देखभाल करते हैं बच्चे के छोटे से छोटे काम जैसे नैपी बदलना, बिस्तर बदलना, दूध बना कर देना या उसे चुप कराने के लिए गोद में लेकर टहलना जैसे छोटे-छोटे कामों की आदत हर पिता को डालनी चाहिए। सुखी और स्वस्थ परिवार के लिए कम से कम 6 घंटे की गहरी नींद माँ और पिता दोनों के लिए जरूरी है। जो पति अपने परिवार का ध्यान नहीं रख पाते है और बच्चे के रोने की आवाज मात्र से झल्लाहट महसूस करते है और दूसरे कमरे में जाकर सो जाते हैं वह जिम्मेदार पिता नहीं होते हैं, लेकिन अब समय बदल रहा है पत्नी को भी पति के साथ सुबह काम पर निकलना होता है इसलिए पति को पत्नी के हर काम में बराबर हाथ बंटाना चाहिए। बच्चे के जन्म के बाद पिता की जिम्मेंदारी उसके लालन पोषण के लिए बढ़ती है, बच्चा यदि थोड़ा बड़ा हो जाता है तो माता-पिता दोनों को बच्चों का काम बाँट लेना चाहिए। खाना बनाने की जिम्मेदारी माँ की है और खिलाने की जिम्मेंदारी पिता की होनी चाहिए। बच्चा जब और बड़ा हो जाए तब माता-पिता को बच्चों के साथ बैठकर ही भोजन करना चाहिए इसे बच्चा ढंग से पौष्टिक चीजें खाना सीख जाता है और साथ ही उसे संस्कार देने का काम भी माता-पिता दोनों का होता है। जब बच्चे और बड़े होने लगे तो उनके साथ खुलकर बातचीत करना उनकी हर छोटी बड़ी बात को शेयर करने के लिए उनके संपर्क में रहना बहुत जरूरी होता है। आज के बच्चे घर में अपने परिवार तक सीमित नहीं रहना चाहते हैं इसलिए वह बाहरी दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी करते हैं लेकिन बच्चे को वहाँ तक पहुँचाने और घर वापस लाने की जिम्मेंदारी एक पिता के कंधों पर होती है। कुछ परिवार में रूढ़िवादी नियमों के चलते हुए पुरुष के लिए यह सब नयापन अजीबोगरीब जरूर हो सकता है, लेकिन समाज में आए बदलावों के कारण इस बदलाव में रूढ़िवादी पुरुषों के मन ने भी स्वीकार किया है और वह भी अपने आप को नहीं परिस्थितियों में ढालने और अपनी जिम्मेंदारियों को बखूबी निभाने का प्रयास कर रहे है उन्हें इस बात को अच्छी तरह समझना चाहिए और समाज के दौर में अपनी नई भूमिका को सहर्ष से स्वीकारना चाहिए और अपने दृष्टिकोण को बदलते रहना चाहिए।

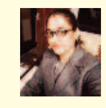

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर
उत्तर प्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरकार को अपनी करतूतों पर शर्मिन्दा होना चाहिए न कि डींगें हांकना चाहिए:वर्मा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

प्रदेश में चारों तरफ हताशा, निराशा, भय और आतंक व्याप्त है। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, अबोध बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और उनकी हत्याओं की श्रृंखला सी चल पड़ी है। उक्त बातें भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भरत वर्मा ने शुक्रवार को अम्बिकापुर भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने भूपेश सरकार के इस चार वर्ष के कार्यकाल को कुशासन का 4 वर्ष कहा। लूट और डकैती आदि की घटनाएं अब रोजाना का काम हो गया है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने प्राथमिक दायित्व से ही कांग्रेस की इस सरकार ने मुंह मोड़ लिया है और इनका सारा ध्यान केवल और केवल अधिक से अधिक लूट मचाने, और भ्रष्टाचार तथा उगाही से प्राप्त पैसे को देश भर के चुनावों में कांग्रेस के लिए खर्च करने, दस जनपथ के लिए एटीएम का काम करने पर है।

कांग्रेस की इस सरकार को अपनी करतूतों पर शर्मिन्दा होना चाहिए न कि डींगें हांकना चाहिए।इस प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है।पिछले 4 साल में यहां दुष्कर्म के 6000 से अधिक मामले दर्ज किये गए हैं। 4000 से ज्यादा नाबालिगों के साथ दुष्कर्म. 6000 से ज्यादा युवतियों का अपहरण हुआ।भूपेश बघेल के शासन में छत्तीसगढ राज्य दुष्कर्म में छठवें नंबर पर, फिरौती में चौथे, आत्महत्या के मामले

में दूसरे और डकैती के मामले में पांचवें नंबर पर आ गया है।प्रदेश में ठगी का स्टार्टअप चल रहा है। गांजा तस्करी, ब्राउन सुगर, नशीली गोली, चरस-अफीम, शराब की तस्करी उफान पर है।ऑनलाइन ठगी के 1500 से अधिक मामले सामने आए हैं।

ईडी और आईटी विभाग की लगातार कारवाईयों से जितने तथ्य सामने आये हैं, उससे छत्तीसगढ़ शर्मिन्दा हैं।

अम्बिकापुर में 4 नवजात की दुखद मृत्यु शासकीय कुप्रबंधन का उदाहरण है।5 लाख रोजगार का सफेद झूठ भी पकड़ा गया कांग्रेस का स्व सहायता समूहों से जुड़ी ऐसी 22 हजार से अधिक महिलाओं का रोजगार छीन कर एक निजी कम्पनी को दे दिया।प्रदेश में 800 से अधिक किसान आत्महत्या को विवश हुए हैं।

20 हजार से अधिक छत्तीसगढ़ियों ने आत्महत्याकी है। शिक्षक अभ्यर्थी, विद्या मितान, पुलिस अभ्यर्थी, बिजली कर्मचारी, कोरोना वारियर्स सभी अपनी मांगों को लेकर आंदोलित है। प्रेस वार्ता में वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर,जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,निगम नेता प्रतिपक्ष प्रबोध मिंज,महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता,हरपाल सिंह भामरा,मनोज गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। भरत वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रदेश में बनने वाले 16 लाख से अधिक गरीबों का आशियाना कांग्रेस सरकार ने छीना है। 24 लाख से अधिक घरों को मोदी जी के नल जल योजना से वंचित रखा।श्री वर्मा ने कहा कि भुपेश सरकार ने आदिवासियों का आरक्षण 12 प्रतिशत कम करा दिया। जिसने आदिवासियों के खिलाफ मुकदमा किया उसे आयोग का अध्यक्ष बना कर पुरस्कृत किया।

भारत के वीरगाथा से विद्यार्थियों को कराया गया अवगत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

विजय दिवस के उपलक्ष्य में जवाहर नवोदय विद्यालय, अंबिकापुर में विजय रन (विक्ट्री रन) (सोल्जराथन) का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वीर भूतपूर्व सैनिक देवनंदन दीक्षित, निकोदिन एक्का, मार्टिन बड़ा, रामप्रसाद मिंज, भरोसा कुजूर, राकेश मेहता, नवीन खालको, आलोक कुमार, बुधराम, मनोज लकड़ा रहे।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके सिन्हा ने वीर शहीद सैनिकों को नमन करते हुए उन्हें अपने विद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित की एवं 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत के पराक्रम विजय एवं वीरगाथा से विद्यालय के नौनिहाल छात्र-छात्राओं को रूबरू कराया। इस दौरान भूतपूर्व सैनिकों ने भी अपने अनुभव साझा किए एवं देश की रक्षा करने के लिए बच्चों में त्याग तपस्या और बलिदान की भावना को बढ़ाया और देश को विकसित बनाने के लिए बच्चों को उत्साहित किया। विजय रन के उपलक्ष में जवाहर नवोदय विद्यालय के अलावा शासकीय माध्यमिक शाला खलीबा व शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला खलीबा के छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा। विजय रन विद्यालय से प्रारंभ होकर अटल चौक तक गई और कुल 3 किलोमीटर का सोल्जराथन संपन्न हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राओं को भूतपूर्व सैनिकों के हाथों पुरस्कृत किया गया। इस दौरान खलीबा ग्राम के भूत पूर्व मुखिया सुरेंद्र कुमार सिंह (ननका सिंह) सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर त्रिपाठी, एडवोकेट सुरेंद्र कुमार गुप्ता एवं एमएम मेहता, राजेश गुप्ता, डॉ. शैलेश गुप्ता, उर्मिला सिंह, डॉ. बी कमलेश, विशालक्ष्य और तूलिका जायसवाल, विद्यालय के शिक्षक एसके सुमन एवं डॉ. दिव्या रानी, एसके पाल, रवि सिंह, रामचंद्र भगत, महेंद्र, अनिमेष एवं डॉ दिव्या रानी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया नवनिर्मित उप अभियंता कार्यालय का उद्घाटन

» 31 गाँव के 6500 उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टीएस सिंहदेव ने शुक्रवार को लखनपुर तहसील के ग्राम लटोरी में नवनिर्मित उप अभियंता कार्यालय का उद्घाटन किया। इस कार्यालय के बन जाने से आसपास के 31 गांवों के करीब 6500 उपभोक्ताओं को फायदा मिलेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार लोगों तक सुविधा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं कोई अन्य क्षेत्र क्यों न हो। सरकार की मंशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजना पहुंचाने की है जिसके लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। इसी कड़ी में लटोरी में विद्युत वितरण केन्द्र की शुरूआत की गई है जिससे इस क्षेत्र के लोगों को बिजली बिल का भुगतान करने में सुविधा होगी तथा बिजली संबंधित अन्य कार्यों में भी सहूलियत होगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता, श्रीमती अर्पिता सिंहदेव, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित सिंहदेव, विधायक प्रतिनिधि विक्रमादित्य सिंहदेव, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कृपाशंकर गुप्ता, जिला पंचायत मंत्री प्रतिनिधि रणविजय सिंह देव, नगर नेता प्रतिपक्ष रमेश जायसवाल मुकेश सिंह,सीएसपीडीसीएल के कार्यपालक निदेशक एपी सिंह, सहायक अभियंता आरपी मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

सीनियर सिटीजन फोरम अम्बिकापुर का कोरवा-पंडो ग्राम चंगोरी में करेगा गर्म कपड़ों का वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

नर सेवा ही नारायण सेवा को चरितार्थ करते सीनियर सिटीजन फोरम फ़ॉर सिविल राइट्स अम्बिकापुर के वरिष्ठ जन अपने अध्यक्ष विष्णु प्रताप अग्रवाल की अगुवाई में 20 दिसंबर को जिला बलरामपुर के सुदूर एवं पहुंच विहीन गांव चंगोरी में जो कोरवा-पंडो बाहुल्य है अपना सेवा कैम्प रखा है। फोरम के सचिव आईबी तिवारी के अनुसार करीब 1000 जरूरत मंद लोगों को कम्बल,500 शिशुओं को टोपा, 1000 बच्चों को ब्रेड-बिस्कुट बांटने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि उस सम्बन्ध में तैयारी जारी है, फोरम के सभी सदस्य वहां जाने को अत्यंत उत्साहित है।इसी तारतम्य में लगातार हर हफ्ते जिला चिकित्सालय के डिलीवरी, बच्चा वार्ड में कमजोर वर्ग की महिलाओं, पुरुषों, बच्चों को कम्बल, टोपे वितरित आज वितरित किए गए। मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार अग्रवाल ने बताया कि फोरम के सभी सदस्य समर्पित भाव से मानव सेवा के विभिन्न पहलुओं पर लगातार काम करते है,जिसके क्रियान्यवन हेतु प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को वैठक आयोजित की जाती है।फोरम का सबसे अनूठा काम शंकर घाट स्थित मुक्तिधाम का रख-रखाव है,आज वहाँ जन सहयोग से 7 शव फ्रीजर,शव दाह हेतु5 शेड 12 शव ट्रे तथा शव दाह हेतु लकड़ी उपलब्ध रहती है।शव दाह उपरांत संस्कारो के लिए शेड,आवश्यक बेदी और पौधे उपलब्ध कराए गए है।शव दाह के समय परिजनों हेतु सुरच्छित बैठने हेतु शेड,सीढियां,तथा आवश्यक जल ठंढा-गरम,गीजर बाथरूम ,ओवरहेड वाटर टैंक अलावा वातावरण को शुद्ध रखने हेतु पर्याप्त मात्रा में पेड़-पौधे लगाए गए है।संस्कार की सुविधा हेतु नदी का घाट सीढियां कॉन्क्रीट ढलाई की गई है।पीपल के वृक्ष लगाए गए है ताकि एक पॉइंट पर मृतक के परिजनों को समस्त सुबिधा उपलब्ध हो।मानव मूल्यों और सहयोग को धर्म मानकर काम कर रहे सामाजिक संगठन सीनियर सिटीजन फोरम फॉर सिविल राइट्स अंबिकापुर निरंतर जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने हमेशा प्रयासरत रहा है ,जिसमे लोगो की सराहना,अनुदान,संबल एवं सहयोग फोरम के वर्तमान 40 सदस्यों का आधार है।

चोरी के मामले में सरगुजा पुलिस को मिली रही लगातार सफलता

» थाना गांधीनगर द्वारा चोरी के मामले मे त्वरित कार्यवाही कर 24 घंटे के अंदर 02 आरोपी गिरफ्तार

» आरोपियों द्वारा चोरी किये हुए 02 नग लैपटॉप, 01 नग कंप्यूटर, 01 नग यूपीस, 01 नग सीसीटीवी कैमरा कुल 3 लाख का मशरूका बरामद

» आरोपियों से घटना मे प्रयुक्त दुपहिया वाहन बरामद किया गया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी कृष्णा राय सा. रायपारा सुभाषनगर थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 14.12.22 को रात्रि अपने आफिस का ताला बंद कर चला गया था, प्रार्थी सुबह आकर देखा तो ऑफिस का ताला टुटा हुआ था एवं अंदर रखा सामान सी सी टी व्ही कैमरा, कम्प्युटर, लैपटाप व अन्य सामान किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया हैं, प्रार्थी कि रिपोर्ट पर सदर धारा 457,380,34 भा.द.स.का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्रीमती भावना गुप्ता (भा.पु.से.) के निर्देशन में अज्ञात चोरों का पता तलाश कर शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक श्री स्मृतिक

राजनाला के नेतृत्व में थाना प्रभारी गांधी नगर निरीक्षक कलीम खान द्वारा मामले की जांच विवेचना कर टीम गठित कर आरोपियों के गिरफ्तारी हेतु सतत प्रयास किया जा रहा था।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास के 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर मामले के आरोपियों कि पहचान कर मुखबीर सुचना पर उपरोक्त आरोपीयों को हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया जो अंकित पटेल अपने साथी अंशुल पटेल निवासी बिशुनपुर के साथ मिलकर रायपारा सुभाष नगर में महामाया फिड इंडस्ट्रीज में घुसकर कमरे में लगे ताला को तोड़कर कमरे के अंदर रखा हुआ एक नग लेपटाप, एक नग लेपटाप एवं एक एल.ई.डी. मानिटर एक नग माउस एक नग पुरानी इस्तेमाली यु.पी.एस. एक नग पुरानी इस्तेमाली सी. सी. टी. व्ही. केमरा को चोरी कर अंशुल पटेल के मोटर सायकल सी. जी. 15. डी.डब्लू. 1893 में लेकर अपने घर भगवानपुर लेकर चले जाना बताया गया जो आरोपियों द्वारा जुर्म करना स्वीकार कर चोरी की मशरूका को अपने घर पर छुपाकर रखना बताया जिसे पृथक पृथक जप्त किया गया आरोपी अंकित पटेल सा.चंदौरा जिला सुरजपुर एवं अंशुल पटेल बिशुनपुर गांधीनगर के विरूद्ध अपराध घटित करना पाए जाने से विधिवत गिरफतार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे निरीक्षक कलीम खान उप निरी0 विजय दुबे स0उ0नि0 नवल किशोर, आरक्षक उमाशंकर, अमृत सिंह, प्रवीन्द्र सिंह, अरविंद उपाध्याय, अतुल सिंह, सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

बिजली करेंट की चपेट में आने से गर्भवती विवाहिता की मौत

मृतका के गर्भ वे डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बच्चे को की निकाले की कोशिश पर नहीं बचाया जा सका

- संवाददाता -
उदयपर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेलढ़ाबपुटा निवासी 28 वर्षीय विवाहित शिवकुमारी पति रामकुमार शुक्रवार को नहाकर बाड़ी में घेराव किए गए तार में कपड़ा सूखाने गई थी। इस दौरान बाड़ी घेराव वाले तार में करेंट आने से उसमें चिपककर 9 माह की गर्भवती महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इधर परिजन महिला को तत्काल निजी साधन से सीएचसी उदयपुर लेकर गए। जहां

डाक्टरों द्वारा मृतका की जांच की गई। जांच में गर्भ में पल रहे 9 माह के अजन्मे बच्चे का धड़कन चलने की बात कही गई। डाक्टरों ने अजन्मे बच्चे को बचाने के लिए मृत गर्भवती महिला का तत्काल आपरेशन किया गया। परंतु तब तक गर्भ में ही बच्चे की भी मौत हो चुकी थी। डाक्टरों द्वारा प्रयास किए जाने के बाद भी गर्भ में पल रहे शिशु को नहीं बचाया जा सका। घटना की सूचना परिजनों द्वारा थाना उदयपुर में तथा एसडीएम कार्यालय में दी गई। नायब तहसीलदार डॉ. एजाज हाशमी की उपस्थिति में महिला के शव का पोस्टमार्टम डाक्टरों द्वारा किया गया। महिला की मौत से ग्राम में मातम का माहौल है। जिस घर में कुछ दिनों में खुशियों की किलकारी गूंजने वाली थी वहां आज मातम पसरा हुआ है। जिसने भी नवजात का चेहरा देखा उसके आंखों में आसूं भर आया। महिला और नवजात का अंतिम संस्कार ग्राम बेलढाब में सामाजिक रीति रिवाज से शनिवार को किया जाएगा।

विजय दिवस के अवसर पर भूतपूर्व सौनिकों ने निकाली रैली, गो सेवा मंडल ने किया स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

भारत और पाकिस्तान के युद्ध में सन 1971 को 16 दिसंबर के दिन भारतीय सेना ने पाकिस्तानी फौज को उसकी औकात दिखा दिया था। हार के बाद 93000 पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। यह जीत ऐतिहासिक थी इसमें लगभग 4000 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। 16 दिसंबर को प्रति वर्ष विजय दिवस के रूप में याद किया जाता है। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों द्वारा शहर में रैली निकाली गई। इनका स्वागत गौ सेवा मंडल सरगुजा द्वारा स्थानीय घड़ी चौक में पुष्प वर्षा व माल्यार्पण कर किया गया।

किसान गर्जना रैली में शामिल होने सरगुजा के करीब 100 किसान दिल्ली के लिए रवाना

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022
(घटती-घटना)।

भारतीय किसान संघ लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य एवं अन्य मांगों को लेकर 19 को दिल्ली के रामलीला मैदान में किसान गर्जना रैली करने जा रहा है। इस रैली में देश भर से दो लाख किसान जुटेंगे। किसान गर्जना रैली में छत्तीसगढ़ से सभी जिलों से हजारों की संख्या में किसान बसों एवं ट्रेनों से दिल्ली जा रहे हैं। किसान गर्जना रैली में 100 किसान सरगुजा जिले से दिल्ली के लिए रवाना हुए अम्बिकापुर से जबलपुर और जबलपुर से दिल्लीभारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष किशोर सिंह बघेल के नेतृत्व में दिल्ली रवाना हुए।

देश में स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव चल रहा है, देश में जब खाद्यान की समस्या थी, तब स्व. प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया था। वह भी काफी वर्ष हो गये, आज भी किसानों ने सभी आदानों को एमआरपी में खरीदता तो है लेकिन बेचने के समय एमएसपी की बात चलती है। स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद किसान आज भी इंतजार में है कि उनकों कब न्याय मिलेगा। कम से कम %%लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य'' तो उनको मिलें। वह तो नही मिलता है इसके उपर सभी आदानों के उपर जी.एस.टी. की मार भी अलग से है। जी.एस.टी. कानून के अंतर्गत सभी उत्पादकों को इनपुट क्रेडिट मिलता है सिवाय किसानों को छोड़कर। यद्पि सरकार ने किसान सम्मान निधि का एक अच्छा कदम

सही दिशाा में अपर्याप्त कदम था, फिर भी किसानों ने उसका खुले दिल से स्वागत किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि किसानों के लिए एक छोटा सा बड़ा कदम है। मगर ये वर्ष 2019 की किसान सम्मान निधि 6,000 रू. प्रति वर्ष आज की स्थिति में, सारे आदानों मे मूल्य वृद्धि के कारण बहुत ही कम लगता है। सरकार किसान के हित में सोचकर खाद में सब्सीडी तो देती है लेकिन ये अधिकतर किसान के हित में न होकर कम्पनियों के हित में है। हाल ही में पर्यावरण मंत्रालय ने जी.एम. सरसों को अनुमति दे दिया है। इधर प्रधानमंत्री जी ने प्राकृतिक खेती की बात करते है, जैव विविधत्ता की बात करते है, मधुमक्खी पालन की बात करते है, पंचमहाभूत के संरक्षण की बात करते है, उधर पर्यावरण मंत्रालय ने इन सभी के एकदम विपरित जी.एम. फसलों की तरफदारी कर रहे है।

ऐसे ही हर क्षेत्र को पानी के लिए नदी जोडने की घोषणा तो हुई है लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ दिख नही रहा है।

इसलिए भारतीय किसान संघ ने आगामी 19 दिसंबर 2022 को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल किसान गर्जना रैली का आयोजन कर रहा है। देश के सभी प्रांतों से करीब 560 जिलों से प्रतिनिधि आने वाले है, कई प्रतिनिधि अपने-अपने स्थानों से साईकिल रैली, मोटरसाईकिल रैली, जन सभाऐं, नुकड़ सभाऐं, पत्रकार वार्ताऐं करते हुए निकल पड़े है। अच्छी बात है कि सभी पत्रकार बंधु ने इस जन-जागरण का पर्याप्त साथ दिया है।

छत्तीसगढ़ में पुराने चेहरों पर दांव नहीं लगाएगी भाजपा!

» विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगा भाजपा संगठन,नए चेहरों के साथ सत्ता में वापसी की तैयारी

» गुजरात चुनाव में अपनाए गए फार्मूले को लागू करने की बढी मांग क्या मिलेगी सफलता?

» पिछले चुनाव में पुराने चेहरो से चिढी जनता ने सत्ता से किया था दूर, क्या आदिवासी चेहरे को आगे कर चुनाव लड़ेगी भाजपा?

-रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ में अगले वर्ष संभावित विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट अब धीरे-धीरे सुनाई देने लगी है, प्रदेश में सत्तासीन कांग्रेस जहां एक बार फिर अपनी वापसी के लिए आष्वस्त है तो वहीं विपक्ष की भूमिका निभा रही भारतीय जनता पार्टी ने भी फिर से सत्ता पाने के लिए अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। चुनाव को लगभग एक साल का वक्त है लेकिन आचार संहिता और पहले लग जाएगा उसके ठीक पहले मानसून का महीना। कुल मिलाकर कहा जाए तो अब चुनाव के लिए तैयारी के लिहाज से मात्र छः से सात महीने का वक्त ही बचा है। इसी में सरकार भी अपना पूरा दमखम लगाएगी तो वहीं विपक्ष भी सत्ता पर हमलावर होगा। साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस को अप्रत्याषित परिणाम मिले थे जो कि शायद कांग्रेस के रणनीतिकारों ने भी कभी नही सोचा रहा होगा, तो वहीं परिणाम के बाद भाजपाई रणनीतिकारों के पैर के नीचे से जमीन खिसकने वाली स्थिति निर्मित हो गई थी। अब एक बार फिर विधानसभा चुनाव के करीब आते ही संगठनात्मक तौर पर तैयारी शुरू कर दी गई है।

छत्तीसगढ भाजपा में दिखेगा बदलाव,नए को मिलेगा मौका

पंद्रह वर्ष के शासनकाल में भाजपा ने प्रदेष का विकास तो किया लेकिन सत्ता के नषे में चूर भाजपा के बड़े नेताओं ने संघ से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं की पूछ परख एकदम बंद कर दी थी हालात यह था कि भाजपा नेताओं, विधायको मंत्रियों के यहां भाजपाई कम कांग्रेसी ज्यादा दिखाई देने लगे थे। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के काम आसानी से हो जाया करते थे, भाजपा कार्यकर्ता सब कुछ होते हुए भी निराष हो चुके थे। कुल मिलाकर कार्यकर्ताओं की पूछ परख खत्म हो गई थी, सत्ता के ईषारे पर संगठन का संचालन होता था, पार्टी कई गुटो में बंट चुकी थी। विधायक व मंत्रियो से कार्यकर्ता और जनता भी रूष्ट थी, समय की मांग थी कि कई पुराने चेहरो को टिकट न दिया जाए लेकिन उस दौरान तात्कालिक मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ही सबसे ज्यादा प्रभावषील थे तो उन्होने सभी सर्वे रिपोर्ट व पार्टी के नियम कायदो को किनारे कर दिया जिसके बाद लगभग सभी सीटो पर अपने हिसाब से प्रत्याषी उतारा, ऐसे प्रत्याषियो को मौका दिया गया जिनसे कि जनता से लेकर कार्यकर्ता त्रस्त थे जिसका खामियाजा भाजपा को सत्ता खोकर भुगतना पड़ा। यहां यह उल्लेखनीय है कि कुछ इसी तरह का नजारा बैकुंठपुर क्षेत्र में भी जनता व कार्यकर्ताओ को देखना पड़ता था, कांग्रेस में काम करने वाले लोग मंत्री के साथ हेलीकाप्टर में घूमते थे और भाजपाई नीचे से हाथ हिलाते रह जाते थे। जिसका असर विधानसभा चुनाव में देखने को मिला। चुनाव के परिणाम के बाद भाजपाई रणनीतिकारो ने जो विष्लेषण किया उसमें यही बात सामने आई कि पुराने चेहरो को टिकट नही दिया जाना चाहिए था, लेकिन इस प्रमुख बात को नजरअंदाज किया गया जिससे विपक्ष में बैठना पड़ा। वही स्थिति अब भी बनी हुई है बताया जाता है कि क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने भी जब जिलो का दौरा किया तो यह बात सामने आई कि नाराजगी पार्टी से नही बल्कि पुराने चेहरो से थी, यदि उस दौरान

पुराने चेहरो को बदल दिया गया होता तो पार्टी सत्ता में आती या न आती लेकिन इतना बुरा हश्र नही हुआ होता। अब चुकि पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड पर आ गई है प्रदेष में नए प्रभारी से लेकर अन्य बड़े नेताओ का आना जाना भी शुरू हो गया है, जाहिर सी बात है कि पार्टी पिछले चुनाव की तरह इस बार गलती नही करेगी। संगठन सूत्रो के मुताबिक पार्टी इस बार 90 प्रतिषत नए चेहरो को मौका देगी। प्रदेष प्रभारी ओम माथुर ने भी इसका संकेत दे दिया है कि पिछले चुनाव मे हारे व अधिक उम्र के नेताओ को इस बार पार्टी टिकट देने के मुड मे नही है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व भी यह अच्छे से जानता है कि यदि प्रदेष में सरकार बनानी है तो फिर नए चेहरो को ही मौका दिया जाना चाहिए।

गुजरात फार्मूला लागू करने का दबाव

हाल ही में गुजरात में विधानसभा का चुनाव संपन्न हुआ है, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री का गृह राज्य होने के साथ ही यहां पर सत्ता और मजबूत पकड़ के बावजूद भाजपा ने नए फार्मूले पर चुनाव लड़ा, अधिकांष नए चेहरो को मौका दिया गया, और उन्हे सफलता भी मिली है। गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम भी खुद भाजपा के लिए अप्रत्याषित रहा जिसके बाद पार्टी में यह दबाव बढ गया है कि वह छत्तीसगढ समेत अन्य राज्यो में आगामी वर्ष होने जा रहे चुनाव में गुजरात फार्मूले पर ही लड़ाई लड़े। यदि ऐसा होता है तो छत्तीसढ भाजपा में अब सिर्फ नए चेहरे देखने को मिलेंगे।

क्या खत्म हो गई डॉ. रमन सिंह की पारी?

प्रदेष में भाजपा ने लगातार तीन कार्यकाल तक राज किया, मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. रमन सिंह भी सर्वमान्य चेहरा रहे हैं। पिछला चुनाव भी उन्ही के चेहरे पर लड़ा गया था जिसके बाद भाजपा की इतनी दुर्गती होगी किसी ने सपने में भी नही सोचा नही था। इस परिणाम के बाद केन्द्रीय स्तर पर भी डॉ. रमन सिंह काफी कमजोर हुए। अब प्रदेष में भी वे अलग-थलग दिखलाई देने लगे है। संगठन के कार्यक्रम में भी उन्हे खास तवज्जो उतनी नही मिलती जितनी मिलनी चाहिए। पार्टी का एक बड़ा वर्ग भी भीतर ही भीतर अब पूर्व मुख्यमंत्री का प्रबल विरोधी हो गया है। एसे में कयास लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव पार्टी कम से कम डॉ. रमन सिंह के चेहरे पर तो नही लड़ेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कई दावेदार ऐसे है कि जो सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री तक ही पहुंच रखते हैं, संघ समेत भाजपा संगठन से उनकी दूरी इतनी है कि वह कभी खत्म हो नही सकती है। अगर केन्द्रीय नेतृत्व वास्तव में डॉ. रमन सिंह को किनारे कर चुनाव में उतरता है तो फिर उन पर आश्रित कई चेहरे भी किनारे कर दिए जाएंगे इससे इंकार नही किया जा सकता है।

आदिवासी चेहरा के रूप में रामविचार को आगे कर सकती है पार्टी

प्रदेश में चुनावी तैयारी जैसे शुरू हुई है ठीक उसी प्रकार मुख्यमंत्री चेहरे पर भी बात होना लाजमी है। प्रदेश में आदिवासी समुदाय एक बहुत बड़ी संख्या में है, खासकर सरगुजा और बस्तर संभाग से जीत के बाद यही समुदाय सत्ता तक पहुंचाता है। पिछले बार के चुनाव में बस्तर और सरगुजा संभाग से भारतीय जनता पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। आदिवासी समुदाय ने भाजपा का साथ एकदम नही दिया था। अब फिर से इस समुदाय को साधने के लिए कयास लगाया जा रहा है कि भाजपा इस बार आदिवासी चेहरे को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे कर सकती है, और इसके लिए यदि तेज तर्रार आदिवासी नेता,पूर्व मंत्री,पूर्व राज्यसभा सदस्य रामविचार नेताम का नाम यदि सामने आता है तो कोई अतिष्योक्ति नही होनी चाहिए। श्री नेताम की कार्यषैली एक तेज तर्रार नेता के रूप में जानी पहचानी जाती है, वे अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी निभा चुका है, केन्द्रीय स्तर पर भी उन्हे पहचान बनाने की जरूरत नही है। उन्हे मुख्यमंत्री का चेहरा बनाए जाने पर आदिवासी समुदाय स्वभाविक रूप से भाजपा की ओर आकर्षित होगा। सरगुजा के साथ ही बस्तर में इसका प्रभाव पड़ना लाजमी है। हलांकि पूर्व प्रदेष अध्यक्ष विष्णुदेव साय भी एक प्रबल दावेदार हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व दुर्ग जिले में आयोजित भाजपा के कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने भी ईषारे ही ईषारे में यह कहकर इस बात को बल दे दिया है कि रामविचार नेताम ही 11 महीने बाद मुख्यमंत्री होंगे।

ओबिसी कार्ड पर प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव संघ की पसंद

आदिवासी नेतृत्व के साथ ही भाजपा में ओबीसी फेक्टर भी देखा जा सकता है, प्रदेश के मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से है, प्रदेष में ओबीसी वर्ग भी बड़ी संख्या में है जो कि चुनाव में बहुत प्रभाव रखता है। भाजपा ने कुछ समय पहले विष्णुदेव देव साय को हटाकर बिलासपुर सांसद और ओबीसी वर्ग से आने वाले अरूण साव को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर एक राजनैतिक चाल चल दिया है। श्री साव साहू समाज से आते हैं वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं तथा संघ की भी पसंद हैं। यदि भाजपा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओबीसी कार्ड पर फोकस करते हुए अरूण साव को मुख्यमंत्री के तौर पर पेष करती है तो यह कदम भी भाजपा के लिए सकारात्मक हो सकता है। हलांकि युवा चेहरे के रूप में पूर्व आईएएस ओपी चैधरी भी इस लाईन में हैं।

अविभाजित कोरिया में तीनो उम्मीदवार बदले जाने की चर्चा

प्रदेश में चुनाव की सुगबुगाहट के बीच अविभाजित कोरिया की तीनो सीटो में यह चर्चा आम हो गई है कि पिछले बार भारतीय जनता पार्टी ने तात्कालिक विधायको को ही फिर से मौका दिया था, तीनो ही विधायको से जनता और कार्यकर्ता भी रूष्ट थे, जिसके बाद तीनो सीट पर हार का सामना करना पड़ा। अब एक बार फिर पुराने उम्मीदवार टिकट को लेकर आषान्वित तो हैं लेकिन संगठन सूत्रो के मुताबिक पिछले चुनाव में हारे हुए तीनो उम्मीदवारो को इस बार संगठन मौका देने के मुड में नही है। इसी जनचर्चा के बीच तीनो ही विधानसभा सीट पर टिकट की चाह रखने वाले दावेदार भी अभी से क्षेत्र में सक्रिय हो गए हैं। हलांकि यह सारे सवाल अभी भविष्य के गर्त में है आने वाले समय में क्या समीकरण बैठेगा कुछ कहा नही जा सकता लेकिन वर्तमान स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि केन्द्रीय नेतृत्व छत्तीसगढ में सरकार बनाने को लेकर कुछ ज्यादा ही गंभीर है और आंतरिक सर्वे से लेकर संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने की दिषा में तेजी से काम चल रहा है। बतलाया जाता है कि इस बार का विधानसभा चुनाव सीधे भाजपा के चुनावी मैनेजमेंट गुरू और देश के गृहमंत्री अमित शाह के दिशा निर्देशन में लड़ा जाएगा, जाहिरी सी बात है श्री शाह राजनीति के माहिर खिलाड़ी है और उनके द्वारा अगर छत्तीसगढ पर फोकस किया जाता है तो फिर कांग्रेस को सत्ता वापसी में काफी कठिनाईयो का सामना कर पड़ सकता है।

जिपं उपचुनाव के लिए कांग्रेस से संजय टोप्पो व भाजपा से वंदना राजवाड़े होंगी उम्मीदवार,9 को वोटिंग

» जिला अध्यक्ष नजीर अजहर ने कहा है कि हम सत्ता में हैं और यह चुनाव हम ही जीतेंगे

» राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2023 के आखिरी में विधानसभा चुनाव होना है इसलिए उपचुनाव को सत्ता के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा सकता है

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले की जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 6 के उपचुनाव के लिए बड़ी मशक्कत के बाद कांग्रेस ने दो चरण की बैठक के बाद पूर्व जनपद सदस्य संजय टोप्पो का नाम तय किया है। उल्लेखनीय है कि संजय टोप्पो का का क्षेत्र में व्यापक जनाधार है वह पूर्व में जनपद सदस्य रह चुके हैं। बीते जनपद पंचायत चुनाव में उनकी धर्मपत्नी को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया था, गैर कांग्रेसी समर्थित होने के बाद भी उन्होंने अपनी धर्मपत्नी को जनपद सदस्य के चुनाव जीत आया था। जो वर्तमान में बैकुंठपुर जनपद पंचायत में जनपद सदस्य के रूप में निर्वाचित है। आज कांग्रेस ने दो चरण की बैठक रखी। प्रमुख दावेदार संगीता राजवाड़े, गणेश राजवाड़े अजीत लकड़ा के पीछे हटने के बाद संजय टोप्पो को कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार घोषित किया है। आपको बता दें कि जिला पंचायत सदस्य का 2 साल का कार्यकाल बचा हुआ है। जिला अध्यक्ष नजीर अजहर ने कहा है कि हम सत्ता में हैं और यह चुनाव जरूर जीतेंगे, क्रमांक 6 के अंतर्गत पड़ने वाले ग्रापं के लोगों को ही बूथ का प्रभारी बनाया जाएगा। बूथ स्तर पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ हम इस सीट पर जीतेंगे।

इस सीट पर पूर्व विधायक तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े के पुत्र थे जिपं सदस्य

उल्लेखनीय है कि जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 06 पद हेतु आरक्षण की स्थिति अनारक्षित मुक्त है। जिला पंचायत सदस्य निर्वाचन हेतु 85 मतदान केन्द्रों में मतदान सम्पन्न होगा। जिसमें कोरिया जिले की जिला पंचायत सीट क्रमांक 6 में उपचुनाव होना है इस सीट पर पूर्व विधायक तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री भैयालाल राजवाड़े के पुत्र विजय राजवाड़े जिला पंचायत सदस्य रहे हैं लेकिन उनके आकस्मिक निधन की वजह से अब उपचुनाव होना है। स्व.विजय राजवाड़े ने 2020 में हुए चुनाव में शानदार 3965 मतों से विजय प्राप्त की थी उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता गणेश राजवाड़े को पराजित किया था। जिला पंचायत क्रमांक 6 में पूर्व विधायक भैयालाल राजवाड़े की पकड़ बड़ी जोरदार है।

पूर्व जिपं सदस्यय स्व. विजय राजवाड़े की धर्मपत्नी श्रीमती वंदना राजवाड़े है भाजपा प्रत्यासी

इस बेल्ट में रजवार समाज की

मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी है जो निर्णायक होते है। भाजपा से इस सीट से पूर्व मंत्री भैया लाल राजवाड़े की बहू एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्यय स्व. विजय राजवाड़े की धर्मपत्नी श्रीमती वंदना राजवाड़े का नाम लगभग तय माना जा रहा है। भैयालाल राजवाड़े की बेहद खास व करीबी दिग्गज भाजपाई रेवा यादव ने सीट क्रमांक 6 में श्रीमती वंदना राजवाड़े का 2 बार सघन जनसम्पर्क करा दिया है। जिससे अब मतदाताओं के सामने पुनः जाने पर उन्हें पहचान बताने की आवश्यकता नही होगी, परिचय के रूप में भैयालाल राजवाड़े की बहू होना ही पर्याप्त है। वहीं सहानुभूति मत भी वंदना राजवाड़े को मिलना तय है। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि इस सीट पर भाजपा को जीतने में कोई दिक्कत नही होनी चाहिए।

क्या जिला पंचायत उपचुनाव को सत्ता के सेमीफाइनल?

वहीं राजनीतिक विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि वर्ष 2023 के आखिरी में विधानसभा चुनाव होना है इसलिए जिला पंचायत पर यह उपचुनाव को सत्ता के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा सकता है।

उप निर्वाचन 2022 के लिए समय अनुसूची जारी

वहीं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2022 के लिए समय अनुसूची जारी कर दी है। जिसके अनुसार निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन, स्थानों (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन 16 दिसम्बर को प्रातः 10.30 बजे किया जायेगा। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 23 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे तक की जायेगी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जॉच) रिटर्निंग आफिसर द्वारा 24 दिसम्बर को प्रातः 10.30 बजे से होगी। 26 दिसम्बर दोपहर 3 बजे तक अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने एवं दोपहर 3 बजे के बाद निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करना और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन रिटर्निंग आफिसर द्वारा किया जायेगा। प्रतीक आबंटन के तुरंत बाद निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

जिले में कुल 10 पदों पर निर्वाचन सम्पन्न होना

उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 10 पदों पर निर्वाचन सम्पन्न होना है जिसमें 01 जिला पंचायत सदस्य, 03 सरपंच पद और 06 पंच पद शामिल हैं। मतदान 09 जनवरी को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा एवं मतदान के तुरंत बाद 09 जनवरी को मतगणना और आवश्यकता अनुसार तहसील/खण्ड मुख्यालय में 11 जनवरी को दोपहर 3 बजे से की जावेगी। सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा 12 जनवरी को पंच, सरपंच/जनपद पंचायत सदस्य के मामले के खण्ड मुख्यालय में प्रातः 9 बजे से एवं जिला पंचायत सदस्य के मामले में जिला मुख्यालय में प्रातः 9 बजे की जायेगी।

140 मार्गों में 1056 किलोमीटर लंबाई में होगी पैच रिपेयर

कमिश्नर ने की सड़क निर्माण एवं मरम्मत की समीक्षा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग अम्बिकापुर मंडल अंतर्गत 6 जिलों में 140 मार्गों के कुल 1056 किलोमीटर में पैच रिपेयर का लक्ष्य रखा गया है जिसमें से अब तक 408 किलोमीटर पैच रिपेयर का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। संभाग अंतर्गत जिलो में विभिन्न विभागों द्वारा संधारित सड़कों के पैच रिपेयरिंग एवं उन्नयन कार्यों में तेजी लाने हेतु कमिश्नर डॉ संजय अलंग ने गुरूवार को संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की।

कमिश्नर डॉ अलंग ने अम्बिकापुर-सीतापुर व अम्बिकापुर-पत्थलगांव एनएच के नव निर्माण कार्य मे अब तक पूरा नहीं होने की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए कार्यपालन अभियंता को फटकार लगाते हुए डेली प्रगति रिपोर्ट देने तथा शीघ्र सुलभ आवागमन योग्य बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बार समय-सीमा में विस्तार देने के बाद भी तेजी नहीं आ रही है। अतिरिक्त समय देकर तथा अधीनस्थों पर एवं ठेकेदार के कार्यों पर कड़ी निगरानी रखते हुए कार्य मे प्रगति लाएं। उन्होंने शहर के नजदीक की सड़कों को भी प्राथमिकता से दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि शहर आने वाले व शहर से निकलने वालों को सुखद अहसास हो। इसी प्रकार नगर निगम एवं नागरीय निकाय के अंदरूनी सड़कों को भी ठीक कराएं। पुलियों की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वीकृत कार्य जिनका टेंडर नहीं हुआ है उनका शीघ्र टेंडर कराये तथा अपूर्ण कार्य हैं उसे जल्द से जल्द पूरा कराएं। उन्होंने राज्य शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों को पूरा करने पर बल दिया सड़क चौड़ीकरण व अन्य मरम्मत कार्यों की पूर्णता के दौरान विभागीय प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पुलिस लाईन के वार्षिक निरीक्षण में पुलिस अधीक्षक ने कहा जनता से बेहतर संबंध बनाएं पुलिस कर्मी

» अधिकारी व जवानों की सुनी समस्याएं, किया निराकरण

» सूंघा...दौड़ा और जबड़े में जकड़ लिया संदिग्ध वस्तु, ऐसा है डॉग स्क्वायड

- संवाददाता -
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने पुलिस लाईन का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम पुलिस लाईन में आयोजित परेड़ का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया, राजपत्रित अधिकारियों व जवानों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान जवानों के किट को देखा। अच्छे वेशभूषा, किट और बेहतर परेड़ कमाण्ड करने वाले जवानों को पुरस्कृत किया। शासकीय वाहनों का देखा और आरक्षक चालकों को मेंटनेंश डे पर वाहनों में जरूरी मरम्मत कराने तथा रक्षित निरीक्षक को वाहन चालकों का आई टेस्ट कराने के निर्देश दिए। परेड़ के दौरान आकर्षक बैंड बजाने पर पूरे बैंड पार्टी को पुरस्कृत किया।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने पुलिस लाईन के सामुदायिक भवन में दरबार लगाकर अधिकारियों-कर्मचारियों से चर्चा कर उनके समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होंने प्रभारियों को कहा कि थाना-चौकी

में नियमित परेड कराए इससे अनुशासन बना रहता है साथ ही अधिकारी व जवान फिट रहते है, जनता की सेवा करने का सबसे अच्छा जरिया पुलिस की नौकरी है, बिना समस्या के कोई व्यक्ति थाना नहीं आता, गंभीरतापूर्वक उसकी पीड़ा को समझते हुए तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें, अच्छी वेशभूषा धारण कर ड्यूटी करें, थाने में हमर सियान डेस्क में वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए निराकरण करें, आपराधिक मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि फरार आरोपी पुलिस की नजर से बचने नहीं चाहिए, इनकी गिरफ्तारी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थाने में पहुंचने वाले फरियादियों से बेहतर व्यवहार करने की कड़ी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि थाना-चौकी के कार्यो का प्रतिदिन आंकलन करें कि सभी कार्य समय पर हो रहे है अथवा नहीं, जहां कमजोर स्थिति दिखाई दे वहां कसावट लाते हुए कार्य को शत्-प्रतिशत पूरा कराए। बिना नंबर व बिना लाइसेंस सहित परिवहन व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने निर्देशित किया। गुम बालक-बालिकाओं की पतासाजी हेतु किए गए अच्छे कार्य के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर, एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुर्रे, स्टेनो अखिलेश सिंह, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सूंघा...दौड़ा और जबड़े में जकड़ लिया संदिग्ध वस्तु, ऐसा है डॉग स्क्वायड

वार्षिक निरीक्षण में डॉग मास्टर डाग के साथ स्नीफर व ट्रेकर डाग मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डाग मास्टर के द्वारा एक वस्तु को दूर कहीं छिपाकर रख दिया गया और वापस आकर उसकी गंध को सुघाने पर ट्रेकर डाग के द्वारा कुछ ही मिनटों में उस वस्तु को खोजकर उसे जबड़े में पकड़कर ले आया। डाग को अच्छी ट्रेनिंग देने पर दो डाग मास्टरों को पुरस्कृत किया गया।

क्या आगामी 2023 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटीं बैकुंठपुर विधायक?

हर छोटे बड़े कार्यक्रमों में हों रहीं हैं विधायक उपस्थित,क्षेत्र भ्रमण में भी दिखने लगी हैं सक्रिय

- **अपनी दावेदारी को लेकर जहां बैकुंठपुर की वर्तमान विधायक आश्वस्त हैं वहीं विपक्ष में कौन होगा दावेदार अभी स्पष्ट नहीं?**
- **भाजपा यदि प्रत्याशी चयन में नए चेहरे को देती है अवसर तो कौन होगा नया चेहरा कई हैं दावेदार**
- **भाजपा के प्रत्याशी चयन के आधार पर भी तय होगा बैकुंठपुर विधानसभा का भविष्य, पुराने प्रत्याशी की दावेदारी फिलहाल मजबूत**

- रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के इकलौते विधानसभा बैकुंठपुर में कांग्रेस पार्टी से विधायक पद की दावेदारी आगामी विधानसभा 2023 के लिए वर्तमान विधायक की ही तय है ऐसा बैकुंठपुर विधायक की वर्तमान की गतिविधियों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है और आजकल बैकुंठपुर विधायक लगातार विधानसभा के प्रत्येक कार्यक्रमों में शामिल होती नजर आ रही हैं और उन्हें क्षेत्र के भ्रमण पर भी लगातार देखा जा रहा है और वह लोगों से लगातार भेंट मुलाकात भी करती नजर आ रहीं हैं।

बैकुंठपुर की वर्तमान विधायक अपनी तरफ से तो अपनी दावेदारी को लेकर आश्वस्त हैं वहीं कांग्रेस पार्टी से अन्य कई भी अपनी अपनी दावेदारी को लेकर लोगों के बीच जाने का सिलसिला जारी रखे हुए हैं लेकिन यदि अंदाजा भी फिलहाल कांग्रेस पार्टी से दावेदारी को लेकर लगाया जाए तो वर्तमान निर्वाचित विधायक की ही दावेदारी दमदार नजर आती है और उन्हें ही पार्टी मौका देगी यह कहा जा सकता है। भले ही कांग्रेस पार्टी से वर्तमान विधायक अपनी दावेदारी को पुख्ता मान रहीं हैं लेकिन अलग अलग कई अन्य दावेदारों की दावेदारी से बैकुंठपुर में कांग्रेस पार्टी में भी नए नाम के सामने आने की बात को नकारा नहीं जा सकता। बैकुंठपुर विधानसभा से भले ही बैकुंठपुर विधायक अपनी दावेदारी को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनके सामने भाजपा से कौन दावेदार होगा इससे भी उनके चुनाव पर असर पड़ने की उम्मीद है क्योंकि यदि भाजपा ने अपने पुराने चेहरे को मौका दिया तो वह मजबूत प्रत्याशी हो सकते हैं और चुनाव रोचक हो सकता है। भाजपा से भी कई दावेदार सामने आ रहें हैं और अपनी दावेदारी ठोंक रहें हैं कुछ दावेदार चिरपरिचित और लगातार सक्रिय रहने वाले हैं वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो दबी में अपनी दावेदारी ठोंक रहें हैं और किसी को नहीं मिला तो उनका नम्बर लगेगा इस उम्मीद में टिके हुए हैं। भाजपा प्रत्याशी का तय होना भी बैकुंठपुर विधानसभा की रोचकता के लिए मायने रखेगा और तभी बेहतर तस्वीर और चुनावी समर का अनुमान लगाया जा सकता है।

बैकुंठपुर विधायक दिख रहीं हैं लगातार सक्रिय

बैकुंठपुर विधानसभा और वर्तमान विधायक की यदि बात की जाए तो बैकुंठपुर विधायक वर्तमान में लगातार सक्रिय नजर आ रहीं हैं और वह कुछ दिनों से क्षेत्र में ही डटी हुई हैं और जनसंपर्क लगातार कर रहीं हैं। बैकुंठपुर विधायक इस दौरान सभी कार्यक्रमों में शिरकत कर रहीं हैं और जनता से जुड़ाव का कोई मौका गवां नहीं रहीं हैं। क्षेत्र में भी उन्हें लगातार भ्रमण पर देखा जा रहा है वहीं अभी वह धान खरीदी केंद्रों में भी जाकर किसानों से मिल रहीं हैं और उनकी समस्याओं का निराकरण कर रहीं हैं। क्षेत्र में कोई उद्घाटन हो या कोई भी सार्वजनिक आयोजन बैकुंठपुर विधायक अब लगातार उन जगहों पर पहुचने लगीं हैं और अब कयास यही लगाया जा रहा है कि यह सबकुछ आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विधायक की सक्रियता है।

दो साल कोविड में बिता दो साल अपनी ही व्यवस्तता में बिता दिए अब जनता की आई याद

वर्तमान सरकार और वर्तमान विधायकों की बात की जाए और उनकी सक्रियता की बात की जाए जनसरोकार की बात की जाए तो बीते चार वर्षों में दो वर्ष कोविड में बीत गए वहीं दो वर्ष विधायक अपनी ही व्यस्तता में व्यस्त रहे अब जब चार साल बीत चुके हैं और अंतिम पांचवा वर्ष सामने है जिसके बाद चुनाव होना है विधायक अपने अपने विधानसभा में सक्रिय नजर आ रहें हैं और लगातार जनसपंर्क कर रहे हैं।

बैकुंठपुर विधानसभा का चुनाव होगा रोचक,जनता सोच समझकर करेगी वोट

बैकुंठपुर विधानसभा का चुनाव बड़ा रोचक होने वाला है,जिला विभाजन का दंश झेल चुके कोरिया जिले के एकमात्र विधानसभा का चुनाव चुनाव लड़ने वालों के बड़ा महत्वपूर्ण है जहां एक तरफ वर्तमान विपक्ष जिला विभाजन का मुद्दा लेकर जनता के सामने जाती नजर आएगी वहीं सत्ताधारी दल जिला विभाजन मामले में मौन साधे रहेगी क्योंकि जिला विभाजन से कोरिया जिले को नुकसान तो हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार वर्तमान सरकार ही है जो जनता भी मानती है और वह जरूर वोट करते समय इसबात का ध्यान देगी।

वर्तमान में होने वाले जिला पंचायत सदस्य उपचुनाव से तस्वीर होगी साफ,दोनों दलों के प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवम पूर्व बैकुंठपुर विधायक के पुत्र जो जिला पंचायत कोरिया के सदस्य थे और जिनका निधन हो चुका है और उनके निधन से रिक्त हुए जिला पंचायत सदस्य सीट पर हाल में ही चुनाव है,पूर्व मंत्री की बहू को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है और कांग्रेस ने एक पुरूष उम्मीदवार को मौका दिया है ऐसे में अब यह चुनाव भी दोनों दलों के लिए विधानसभा का मार्ग प्रसस्त करेगी और जो दल अपने समर्थित उम्मीदवार को चुनाव में विजयी बना ले जाएगा उसके लिए ऐन विधानसभा चुनाव से पूर्व यह तय हो जाएगा कि जनता में किस दल की तरफ का रुख है और जनता परिवर्तन चाहती है या वह वर्तमान सरकार के कामकाज से खुश है। बैकुंठपुर विधायक के लिए यह चुनाव बड़ा महत्वपूर्ण है और यदि उनकी पार्टी की तरफ से समर्थित उम्मीदवार की यदि हार होती है तो ऐन विधानसभा चुनाव के पूर्व विधायक के लिए यह बड़ी हानि होगी जिसका असर चुनाव पर पड़ेगा। वहीं भाजपा समर्थित उमीदवार की यदि जीत होती है तो भाजपा से पूर्व मंत्री की दावेदारी मजबूत होगी विधानसभा के लिए और जो अन्य दावेदारों के लिए खतरे का संकेत होगा।

डकैती मामले में फरार 3 आरोपियों को थाना विश्रामपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

पकड़े गए आरोपियों में से 2 ने चोरी की वारदात को भी दिया था अंजाम

- संवाददाता -
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दिनांक 24.11.21 को ट्रक चालक बसंत कुमार निवासी सतपता अपने ट्रक वाहन को लेकर धान लोड करने रामनगर धान संग्रहण केंद्र के पास मेन रोड में खड़ी किया था और केबिन में सो रहा था रात करीब 11 बजे इसके ट्रक में कुछ आवाज आया तो नींद खुलने पर देखा कि इसके गाड़ी का डीजल 5-6 व्यक्ति निकाल रहे हैं नजदीक में दो नग सफेद कलर का बोलेरो वाहन खड़े थे यह उनका विरोध किया तो उनके द्वारा इसे मारपीट किए और जेब में रखे 32 सौ रुपए, लॉकेट व घड़ी को लूट लिए, उसी दौरान थाना बिश्रामपुर की पुलिस पेट्रोलिंग गाड़ी रास्ते से गुजर रही थी जिसे देखकर उक्त व्यक्ति ट्रक से निकाले डीजल को लेकर भागने लगे, पुलिस पार्टी द्वारा उनका पीछा किया गया जो रेलवे क्रॉसिंग के पास नर्सरी में दोनों सफेद रंग के बोलेरो वाहन को छोड़कर आरोपी भाग निकले। पुलिस द्वारा दोनों बोलेरो वाहन एवं डीजल को चोरी करने के सामान को मौके पर से जप्त किया गया तथा प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना बिश्रामपुर में अपराध क्रमांक 240/21 धारा 395, 294, 506, 323 भादसं व 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया। विवेचना दौरान घटना में प्रयुक्त जप्तशुदा वाहन के पंजीयन एवं मुखबीर की सूचना पर प्रकरण में 6 आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार किया गया था।

पुराने लंबित मामले में फरार आरोपियों के बारे में जानकारी हासिल कर दबिश देते हुए पकड़ने के कड़े निर्देश पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज श्री रामगोपाल गर्ग व पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने थाना प्रभारी को दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना विश्रामपुर की पुलिस आरोपियों की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर फरार आरोपी विजय लोनिया उर्फ विजय चौहान पिता स्व. धनराज लोनिया उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम परासी, थाना मरवाही, जिला गौरेला पेण्ड्रा मरवाही, विकास लोनी उर्फ विकास चौहान उर्फ लाला पिता अमर सिंह लोनी उम्र 21 वर्ष एवं इंदल लोनी उर्फ इंदल चौहान पिता जग नारायण लोनी उम्र 23 वर्ष दोनों निवासी सीलपुर, थाना कोतमा, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश को घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ पर आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किये। जिन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गए आरोपियों में से 2 ने चोरी की वारदात को भी दिया था अंजाम

बीते वर्ष दिनांक 11.11.21 को कुम्दा बस्ती विश्रामपुर निवासी अमजद अली ने थाना विश्रामपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 7-8 नवम्बर 21 को इसके घर के सामने खड़ी जेसीबी वाहन के डीजल टंकी से 100 लीटर डीजल को बोलेरो वाहन सीजी 10 लाई 1382 में सवार चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 230/21 धारा 379, 34 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पकड़े गए तीनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ में आरोपी इंदल लोनी व विजय लोनी ने कुम्दा से जेसीबी वाहन से डीजल चोरी करना स्वीकार किए। इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी विश्रामपुर के.डी.बनर्जी, प्रधान रामनिवास तिवारी, इन्द्रजीत सिंह, अविनाश सिंह, विकास सिंह, आरक्षक उमेश राजवाड़े, मुकेश साहू, प्यारे राजवाड़े, मनोज शर्मा व योगेश्वर पैंकरा सक्रिय रहे।

राजधानी रायपुर में युवा क्रांति बुनियादी प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुये बलरामपुर जिले के युवा कांग्रेस के लोग

- संवाददाता -
कुसमी, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के द्वारा रायपुर स्थित जैनम मानस भवन में युवा क्रांति बुनियादी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 14 दिसंबर से 16 दिसंबर तक आयोजित किया गया, जहाँ प्रदेश भर के युवा कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता गण शामिल हुये, वही इस प्रशिक्षण शिविर में युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मुजस्सम नजर जो कि बलरामपुर जिले के छोटे से शहर कुसमी से अपनी राजनीति सफर की शुरुआत कर राजनीति में संघर्ष कर आज आगे बढ़ते हुये युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष का पद सम्भाल रहे है ,उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में हमे सर्वोदय के बारे में, सत्य और असत्य के बारे में, बूथ मैनेजमेंट के बारे में तथा कांग्रेस का इतिहास बताया गया साथ ही कैसे देश की आजादी में और देश की आजादी के बाद उसके नव निर्माण में कांग्रेस पार्टी का योगदान रहा,वही आने वाले 2023 के विधानसभा चुनाव में युवा कांग्रेस की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी इसलिए बूथ पर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जोड़ने को कहा गया है,प्रशिक्षण शिविर में युवा कांग्रेस महासचिव संजीव सिंह, राहुल जायसवाल, पूर्णिमा सेमरिया, प्रीतिका विश्वकर्मा, सचिव नीरज तिवारी, जिलाध्यक्ष सरगुजा से विकल झा, सुरजपुर से नरेद्र यादव, कोरिया से रामसजीला यादव, मनेद्रगढ़ भरतपुर से हाफिज मेमन, बलरामपुर से बृजेश यादव , जशपुर से अजित साय तथा सरगुजा संभाग के सभी विधानसभा अध्यक्ष शामिल हुये।

जेएसआई प्रशिक्षु डीएसपी ने स्कूली छात्राओं को महिला सुरक्षा,साइबर अपराध, यातायात नियमों से कराया अवगत

- **छात्राओं को किसी से डरने की जरूरत नहीं है,पुलिस हमेशा है आपके साथ**

- संवाददाता -
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू के निर्देश पर थाना भटगांव जेएसआई प्रशिक्षु डीएसपी दीपमाला कुर्रे ने गुरूवार को एडी जुबली स्कूल के छात्राओं को घरेलू हिंसा सहित विभिन्न कानूनी पहलू, यातायात नियमों की जानकारी व पालन करने, साईबर क्राईम से बचाव एवं महिला सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में जेएसआई प्रशिक्षु डीएसपी ने छात्राओं को महिला संबंधी कानून, गुड टच-बैड टच, महिलाओं के अधिकार, छत्तीसगढ़ पुलिस के महिलाओं की सुरक्षा के लिए बहुउपयोगी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में जानकारियां दीं। महिला अधिकार की जानकारी प्राप्त कर छात्राएं प्रफुल्लित नजर आईं। इस दौरान उन्हें बताया कि छात्र-छात्राओं को किसी से डरने की आवश्यकता नहीं है, पुलिस उनकी मदद के लिए हमेशा तत्पर है। जेएसआई ने स्कूली छात्राओं को अपना मोबाईल नंबर भी नोट कराया।

महापौर कंचन के प्रयास से शहर के विकास कार्यो के लिए लगभग एक करोड़ रुपए के कार्यो का हुआ भूमिपूजन

निर्माण कार्यो से शहर का होगा चहुमुखी विकास,मेयर कंचन ने मुख्यमंत्री सहित नगरीय प्रशासन मंत्री का जताया आभार

- संवाददाता -
कोरिया/चिरमिरी16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के विकास में लगातार विकास को बढ़ावा देते हुए शुक्रवार को मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल एवं नगर पालिक निगम चिरमिरी की महापौर कंचन जायसवाल व सभापति गायत्री बिरहा की उपस्थिति में नगर निगम क्षेत्र चिरमिरी के हल्दीबाड़ी हिरागिर माई की बगिया पहाड़ पर स्थित सुप्रसिद्ध ऐतिहासिक धरोहर शिवरात्रि मंदिर में लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पर सड़क निर्माण के साथ मंदिर प्रागण के जीणोद्धार एवं आस-पास के छोटे बड़े कार्यो को उनका सही रूप देने के लिए, 50 लाख रुपये की बड़ी राशि के कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर जनता को समर्पित किया इस भूमिपूजन कार्यक्रम में सबसे बड़ी बात यह देखने को मिली की इस बड़ी राशि के कार्य का भूमि पूजन उक्त वार्ड की उपस्थित महिलाओं ने किया और क्षेत्रीय विधायक और महापौर को अपना आशीर्वाद दिया।

इसी कर्म में चिरमिरी के पोड़ी क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 04 में फुटपात और फुटवाल ग्राउंड में विद्युत व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाईट कार्य के लिए लगभग 30 लाख रुपए एवं वार्ड क्रमांक 01 से लेकर वार्ड क्रमांक 10 तक पुल पुलिया, सड़क, पैच रिपेरिंग, मरम्मत सहित अन्य कार्यो के लिए, 8 लाख रुपए की राशि के साथ वार्ड क्रमांक 09 गेल्हापानी क्षेत्र में मुक्ति धाम के निर्माण के लिए लगभग 22 लाख रुपए की बड़ी राशि के कार्यो का भूमि पूजन कर शहर की जनता को समर्पित किया । इस भूमि पूजन कार्यक्रम में उपस्थित मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने कहा की इस प्राचीन मंदिर में इस बड़ी राशि को खर्च कर आप सभी की आस्था को बल दिया जा रहा है जो आज से पहले कभी नहीं हुआ इस कार्य से हमारे श्रद्धालुओं को उनके आवागमन में बेहतर सुविधा और धर्म की रक्षा का उत्थान होगा। विकास कार्य पूर्ण होने के साथ यह धरोहर अपने वाले समय में एक आध्यत्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में ख्याति प्राप्त करेगा जिससे हमारे शहर का नाम रौशन होगा।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आने से विकास कार्य धरातल पर दिख रहा है- कार्यक्रम में उपस्थित महापौर कंचन जायसवाल ने अपने कथन में मनेंद्रगढ़ विधायक का धन्यवाद देते हुए राज्य के नगरीय प्रशासन मंत्री शिवकुमार डहरिया और राज्य के मुखिया का आभार जताया जिनके अनुमोदन पर चिरमिरी शहर के विकास हेतु लगभग 1 करोड़ रुपए की बड़ी राशि की प्रशासनिक स्वीकृति दी जिसका भूमिपूजन आज किया गया। स्वीकृत कार्यो की जानकारी देते हुए महापौर कंचन जायसवाल कहा की वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार आने से विकास कार्य धरातल पर दिख रहा है, हमारी यह भूपेश बघेल की सरकार विकास की गंगा बहा रही है, जिससे शहर का चहुमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने शहरवासियों की ?र से प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल व नगरीय प्रशासन मंत्री शिवकुमार डहरिया का हृदय से आभार जताते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कांग्रेस राज में छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था बदहाल:श्यामबिहारी जायसवाल

भूपेश सरकार के चार साल छत्तीसगढ़ की जनता के लिए अभिशाप

- संवाददाता -
सूरजपुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कांग्रेस सरकार के 04वर्षों के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बनकर रह गया था। प्रदेश में माफियाराज,गुंडाराज,जंगलराज का बोलबाला है। भूपेश सरकार के 04वर्ष की विफलताओं पर जिला भाजपा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक श्यामबिहारी जायसवाल ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला।छत्तीसगढ़ में सरकार के सरंक्षण मे वरिष्ठ अधिकारी बड़े पैमाने पर संगठित भ्रष्टाचार किया जा रहा है ।केन्द्रीय जांच एजेंसियों द्वारा जांच में प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के घरों मे बड़े पैमाने पर नगदी व ज्वेलरी मिल चुकी है। कोयले व रेत के अवैध कारोबार में सरकार के संरक्षण में अधिकारी व कुछ व्यापारियो का गिरोह मिलकर खनिज संपदाओं का अवैध दोहन कर रहा है तथा कमीशनखोरी का खेल पूरे प्रदेश मे खेला जा रहा है।पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है दिनदहाड़े न्यायधानी मे जिस तरह कांग्रेस पदाधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है इससे आम आदमी के सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में पिछले चार वर्षों में 06हजार से अधिक महिलाओं से अनाचार की शिकायतें सामने आई हैं। नेशनल क्राईम ब्यूरो के अनुसार छत्तीसगढ़ दुष्कर्म के मामले में 6वें नंबर पर व फिरौती में चौथे नंबर पर है।कांग्रेस का घोषणापत्र झूठ का पुलिंदा साबित हो गया है। घोषणा पत्र मे किए पूर्ण शराबबंदी के वादे से सरकार मुकर रही है। आज भी किसानों व महिला समूहों का ऋण माफी का वादा अधूरा है।

कांग्रेस के चार वर्षों के कार्यकाल मे सरकार की आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो गई है।कांग्रेस ने इन चार वर्षों मे 60हजार करोड़ का कर्ज ले चुकी है।प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है छत्तीसगढ़ में स्टार्ट अप योजना देश में 22वे स्थान पर है। बेरोजगारी भत्ता का वादा करने के बावजूद चार साल पूरे होने पर बेरोजगारी भत्ता का पता नही है।सरकार विभिन्न भर्ती परीक्षाओं को स्थगित कर युवाओं को धोखा दे रही है।उन्होने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति को प्रदेश सरकार धोखा दे रही है स्वयं सहायता समूहों से रेडीटूईट का काम छिन लिया गया। छत्तीसगढ़ का किसानो की हालत बदतर है चार साल मे 660किसानों ने आत्महत्या की है। पूरे प्रदेश में 16लाख परिवारों का आवास भूपेश सरकार ने छिनने का काम किया है।प्रधानमंत्री जलजीवन मिशन व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण छत्तीसगढ़ देश मे निचले पायदान पर है ।उन्होंने कहा कि इन चार सालो मे छत्तीसगढ़ बदहाल स्थिति है ऐसे मे कांग्रेस को गौरव दिवस मनाने का कोई अधिकार नही है। भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने जिले मे व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बताया।उन्होंने कहा कि भैयाथान इलाके मे फसल बीमा की राशि मे करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार का मामला उजागर होने के बावजूद आज तक वसूली की कार्रवाई नही हुई। वही पशु ऋण व चारा घोटाले मे कलेक्टर के निर्देश के बावजूद आरोपियों पर एफआईआर न होना दुर्भाग्य पूर्ण है। भ्रष्टाचार इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल,जिला महामंत्री राजेश अग्रवाल, जिला मिडिया प्रभारी शशि तिवारी, शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल ,किरण खेस मौजूद रहे।

एनटीपीसी कोरबा ने 14 दिसंबर को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2022 को उल्लास और उत्साह के साथ मनाया

- संवाददाता -
कोरबा, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एनटीपीसी कोरबा में 08 से 14 दिसंबर 2022 तक राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2022 को उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया ढ्ढइस दौरान ऊर्जा दक्षता प्रबंधन समूह द्वारा आयोजित समारोहों में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान कई प्रतियोगिता आयोजित की गई ढ्ढ इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।समापन समारोह में एनटीपीसी कोरबा के वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें बी.आर. राव, सीजीएम ओएंडएम और मधु एस. जीएम मेंटेनेंस शामिल थे। समारोह के दौरान, 22वीं बीईई एनर्जी मैनेजर एंड एनर्जी ऑडिटर परीक्षा 2022 में ऑल इंडिया टॉप 01 और 02 रैंकर्स, सीएंडआई से राघव अग्रवाल और ऑपरेशन से आयुष गोयल को भी उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। दोनों विजेता एनटीपीसी कोरबा से हैं। 08 से 14 दिसंबर 2022 तक एनटीपीसी कोरबा में 'री-यूस, रेडयुस, रीसायकल' की थीम पर ऊर्जा संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया था। ऊर्जा सप्ताह के दौरान, डीपीएस, केंद्रीय विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर और गवर्नमेंट हाई स्कूल, जमनीपाली जैसे स्कूलों में पोस्टर और निबंध प्रतियोगिताओं, क्विज़ आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी थी ।

इनरव्हील एजुकेशन सोसाइटी द्वारा संचालित रोटरी दिव्य ज्योति छात्रावास का कलेक्टर संजीव झा ने किया अवलोकन

- संवाददाता -
कोरबा, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिला कलेक्टर संजीव झा द्वारा दिव्य ज्योति छात्रावास में पत्नी रचना संजीव झा के साथ किया अवलोकन। उन्होंने वहां रह रहे 100 से ज्यादा बच्चों से की आत्मीयता से मुलाकात कर उनके द्वारा किये जा रहे दैनिक कार्यो की जानकारी रोटे रीता क्षेत्रपाल ने दी। इसके पश्चात दिव्यांग बच्चों द्वारा स्वागत संगीत प्रस्तुत किया गया एवं एक नाट्य मंचन किया गया जिसमें मोबाइल का दुरुपयोग न करने का विषय था। जिला कलेक्टर संजीव झा ने छात्रावास के बच्चों के कार्यक्रम को बहुत ही भावुक होकर सराहना की एवं इनरव्हील एजुकेशन सोसायटी के सदस्यों से आग्रह किया इन बच्चों के लिए अलग-अलग विषयों पर ट्रेनिंग दिया जाना चाहिए, जिससे कि वह अपने पैरों में खड़े हो सकें और भविष्य में स्वरोजगार बन सकते हैं, इसके लिये जो भी मदद होगा हम करेंगे ढ्ढ उन्होंने कहा एक जिम की व्यवस्था एवं सोलर किचन इत्यादि जो भी जरूरत इन बच्चों को हो, पूरा प्रयास रहेगा जल्द से जल्द हम करवाएंगे। मैडम रचना संजीव झा ने बच्चों की भूरी भूरी प्रशंसा की और संस्था के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया ढ्ढ कहा जिस भी तरीके से मैं आप लोगों के साथ जुड़ सकूं यह मेरा सौभाग्य रहेगा। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटे डॉक्टर बी बी बोडे, सचिव रोटे नितिन चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष रोटे संजय अग्रवाल, रोटे पारस जैन, रोटे महेंद्र चोपड़ा, रोटे साकेत बुधिया, रोटे सतनाम मल्होत्रा, रोटे नरेश अरोड़ा, रोटे भारती अरोड़ा, इनरव्हील एजुकेशन सोसाइटी से मोहिंदर कौर, सिमरन कौर, साक्षी क्षेत्रपाल, नेहा अरोरा,ज्योति जुनेजा,अनुपमा शर्मा,आदि उपस्थित थे।

सर्वमंगला चौकी प्रभारी कृष्णा साहू द्वारा नशे से छुटकारा हेतु किया गया काउंसलिंग एवं नशे से दूर रहने की दी गई समझाइश

- संवाददाता -
कोरबा, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह के निर्देश पर कोरबा जिले में अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के अंतर्गत अवैध नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किया जा रहा है , साथ ही अवैध नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने हेतु कोरबा पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत पुलिस अधिकारीगण स्कूल , कॉलेज , हाट , बाजार एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अवैध नशे से दूर रहने हेतु समझाइश दे रहे हैं । इसी कड़ी में पुलिस चौकी सर्वमंगला प्रभारी उपनिरीक्षक कृष्णा साहू द्वारा नशे के लत लगा चुके लोगों को बुलाकर उन्हें नशा छोड़ने , नशे की आदी हो चुके लोगों को उपचार हेतु चिकित्सालय में भर्ती कराकर निशुल्क उपचार कराने की समझाइश दी गई ।

दो ट्रकों के बीच भिड़ंत,ट्रक चालक की गई जान

- संवाददाता -
कोरबा, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कटघोरा- बिलासपुर मार्ग में ग्राम कसनिया के पास कांटा घर के सामने गुरुवार-शुक्रवार की मध्य रात लगभग 1=30 बजे कोयला व धान परिवहन में लगे दो ट्रकों में भिड़ंत हो गई। गंभीर चोट लगने के कारण धान परिवहन में लगे शिव गुरु ट्रांसपोर्ट कंपनी की ट्रक के चालक की मौत हो गई। चालक घायल अवस्था में गाड़ी के केबिन में ही फंस कर जीवन के लिए संघर्ष करता रहा। सूचना उपरांत घटनास्थल पहुंचे डायल 112 की टीम, कटघोरा थाना प्रभारी निरीक्षक अश्विनी राठौर के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों के द्वारा स्थानीय लोगों के सहयोग से हाइड्रा व कटर की मदद से काफी मशक्कत कर चालक को सुबह 05 बजे निकाला जा सका। तब तक उसकी सांसें चल रही थीं। उसे एम्बुलेंस के जरिये अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। हादसे के बाद कोयला ट्रक का चालक भाग निकला। घटना का कारण सड़क किनारे बने धरम कांटा को भी बताया जा रहा है। प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि धान लदा ट्रक बिलासपुर से कोरबा की ओर आ रहा था और कोरबा से कोयला लेकर बिलासपुर की ओर दूसरा ट्रक जा रहा था। धान लदा ट्रक वजन कराने के लिए कांटा घर की ओर जा रहा था कि कोयला लदा ट्रक भी उसी समय रास्ते से गुजरा और जब तक समझ पाते, हादसा हो गया। इधर टीआई ने बताया कि मृतक के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है, ताकि उसके परिजनों को सूचित किया जा सके। हादसे में 03 लोग घायल हो गए हैं एक चालक की मौत हो गयी जबकि दूसरा फरार है।

सरगुजा पुलिस द्वारा वॉकथान 'walk a cause' का दिनांक 18/12/22 को आयोजन

» वॉकथान के द्वारा आमनागरिकों में महिला अपराधो की रोकथाम के प्रति जागरूक करना

» आमनागरिक अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनावे

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार महिलाओं, छात्राओं एवं आमनागरिकों को सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं विधिक जानकारी से जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्रीमती भावना गुप्ता (भा.पु.से.) के निर्देशन में सरगुजा पुलिस द्वारा दिनांक 18/12/22 को वॉकथान ÷walk a cause 05 कि.मी. वॉकथान एवं 10 कि.मी. मैराथन का आयोजन गाँधी स्टेडियम से किया जाना प्रस्तावित हैं। वॉकथान मे सरगुजा के आम नागरिक बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, अभी तक 7000 से अधिक की संख्या में आमनागरिक रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं, सरगुजा पुलिस आम नागरिकों को महिला सुरक्षा सम्बन्धी अभिव्यक्ति ऐप, महिला अपराधो पर शून्य सहिष्णुता, लैंगिक अपराध जागरूकता, पोक्सो एक्ट के बारे मे जागरूक किया जायगा, सरगुजा पुलिस की महिला सुरक्षा सम्बन्धी अभियान ÷गुंज, संवाद हेल्पलाइन, हिम्मत, हमर बेटी हमर मान÷ जैसी योजनाओं के बारे मे जानकारी दी जायगी। वॉकथान एवं मैराथन के दौरान जगह जगह पर सरगुजा पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा विभिन्न दिशा निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0-26/ब-121/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती जानकी देवी आ0 ईश्वर प्रसाद साहू, निवासी भट्ठापारा,नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की स्थित नजूल भूमि मोहल्ला भट्ठापारा नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि खसरा -4534/7 रकबा-0.33 एकड़ भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। आवेदक उक्त नजूल भूखण्ड-4534/7 रकबा 0.33 एकड़ पर प्रस्तावित बाण्ड्री निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड में भवन निर्माण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 28/12/2022 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

01/12/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजनी यादव पत्नी नरेन्द्र यादव जाति अहिर निवासी ग्राम/नगर सरगवां तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगवां तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 148/1 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, नक्शा पंचायत प्रस्ताव , रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 31/12/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/12/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202211020700100

विषयःब-121 मामले की श्रेणीः राजस्व सन् 2022-2023

लब्जी प.ह.न. 00027(हे.)

पक्षकारों का विवरण

आवेदक पक्षकार -दीपक

अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक दीपक आ0जयनन्दन, निवासी ग्राम लब्जी,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम लब्जी तहसील अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 157/2, 585/1, 586, 587/2, 588/4,703, 705/2, 737/2, 739/1, 741, 742, 743, 1259/2, 1285/3, कुल प्लाट 15 कुल रकबा 1.168, हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में जाति कंवर के स्थान पर जाति केंवट अंकित हो गया है जिसे सुधार किए जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28.12.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/11/2022 को जारी किया जाता है ।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0- /अ-6/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुजीत कुमार अम्बष्ट आ0 स्व0 सत्यनारायण अम्बष्ट, उम्र-45 वर्ष,जाति कायस्थ, निवासी-भट्ठीरोड नगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा बताया गया कि माननीय न्यायालय श्रीमान् प्रथम व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग-2 अम्बिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ के व्यवहारवाद क्रमांक 95/2022 (सुजीत कुमार अम्बष्ट प्रति श्रीमती शांति अम्बष्ट व 02 अन्य) में पारित आदेश एवं डिक्री दिनांक 14.05.2022 के परिपालन में शीट नम्बर-04 मोहल्ला -भट्ठीरोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 1951/3 रकबा 0.12 एकड़ भूमि आवेदक एवं अनावेदक क्रमाक 01 से 03 के नाम पर संयुक्त रूप से दर्ज है,जिसे आगे वादभूमि के नाम से संबोधित किया जावेगा। उक्त वादभूमि क्रमांक 1951/3 रकबा 0.12 एकड़ में से 04 एकड़ भूमि आवेदक सुजीत कुमार अम्बष्ट तथा शेष भूमि में से 2.6 डिसमिल भूमि अनावेदक /प्रतिवादी क्रमाक 1 श्रीमती शांति अम्बष्ट को , 2.6 डिसमिल अनावेदक/प्रतिवादी क्रमांक -2 विजय अम्बष्ट को तथा 2.6 डिसमिल भूमि अनावेदक/प्रतिवादी क्रमांक-3 विवेक अम्बष्ट को बंटवारी में प्राप्त हुआ है। आवेदक उक्त डिक्री एवं पारित निर्णय दिनांक 14.05.2022 के आधार पर वादभूमि में अपना और अनावेदकगणों का नाम पृथक दर्ज किये जाने हेतु आदेश एवं डिक्री की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र पेश किया है ।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/01/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15/12/2022 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

फीफा विश्व कप 2022 के विजेता को मिलने वाली इनामी राशि का हुआ खुलासा,रकम जानकर रह जाएंगे हैरान

कतर,16 दिसम्बर 2022। फीफा विश्व कप 2022 में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से फाइनल खेलने वाली दो टीमों का फैसला हो चुका है। 18 दिसंबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में फ्रांस और अर्जेंटीना की टीमें आपस में भिड़ने वाली है। वहीं दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि विजेताओं, उपविजेताओं और सेमीफाइनल और क्वार्टर में पहुंचने वाली टीमों के लिए पुरस्कार राशि क्या होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल के विजेता और ट्रॉफी उठाने वाली टीम को 42 मिलियन डॉलर की इनाम राशि का भुगतान किया जाएगा। वहीं फीफा विश्व कप के रनर अप टीम को 30 मिलियन डॉलर का इनाम दिया जाएगा। फाइनल के मुकाबले में कुल 72 मिलियन डॉलर की राशि दी जाएगी। वहीं तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर और चौथे नंबर की टीम को 25 मिलियन डॉलर की इनाम राशि दी जाएगी।

बता दें कि फीफा की तरफ से क्वार्टर फाइनल खेलने वाली टीमों को भी खास इनाम दिया जाएगा। इसमें ब्राजील, नीदरलैंड, पुर्तगाल, इंग्लैड जैसी टीमों को 17 मिलियन डॉलर प्राइज मनी के तौर पर दिए जाएंगे। बता दें कि फीफा राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाली टीमों को भी पुरस्कृत करने जा रहा है। राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाली टीमों में संयुक्त राज्य अमेरिका, सेनेगल, ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, स्पेन, जापान, स्वीटजरलैंड और दक्षिण कोरिया की टीम शामिल है। इन सभी टीमों को 13 मिलियन डॉलर रुपये का भुगतान किया जाएगा।

वहीं कतर, इक्वाडोर, वेल्स, ईरान, मैक्सिको, सऊदी अरब, डेनमार्क, ट्यूनीशिया, कनाडा, बेल्जियम, जर्मनी, कोस्टा रिका, सर्बिया, कैमरून, घाना, उरुग्वे जैसी टीमें जो राउंड ऑफ 16 में जगह नहीं बना सकी उन टीमों को 9 मिलियन की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

फ्रांस-अर्जेंटीना के बीच 18 दिसंबर को होना है फाइनल मुकाबला

फ्रांस और अर्जेंटीना के बीच 18 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें तीसरी बार खिताब पर कब्जा जमाने के लिए मैदान पर उतरेगी। बता दें कि फ्रांस डिफेंडिंग चैंपियन है। ऐसे में दोबारा ट्रॉफी अपने घर ले जाने पर जोर देगी। वहीं अर्जेंटीना की टीम 36 वर्षों से विश्व कप जीतने का इंतजार कर रही है। ऐसे में अर्जेंटीना भी मजबूती से ट्रॉफी के लिए दावेदारी ठोकेगी। बता दें कि अर्जेंटीना ने वर्ष 1978 और 1986 में फीफा की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। वहीं फ्रांस ने 1998 और 2018 में ये ट्रॉफी जीती थी।

मेस्सी पर होगा अर्जेंटीना की उम्मीदों का सारा दारोमदार

दोहा ,16 दिसम्बर 2022। अपना दूसरा और आखिरी विश्व कप फाइनल खेलने जा रहे लियोनेल मेस्सी पर पूरे देश की उम्मीदों का दारोमदार होगा। आठ साल पहले वह खिताबी मुकाबले में चूक गए थे लेकिन उन जख्मों को अब दोबारा हरा नहीं होने देना चाहेंगे। अर्जेंटीना ने तीन दशक से अधिक समय से विश्व कप नहीं जीता है। मेस्सी का सपना लुसैल स्टेडियम पर रविवार को होने वाले फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीतने का है क्योंकि अपने सुनहरे कैरियर में इसके अलावा वह सब कुछ जीत चुके हैं। झइसके साथ ही वह इस दौर के महानतम खिलाड़ियों के मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मीलों पीछे छोड़ देंगे जो अभी तक विश्व कप नहीं जीत सके हैं। 37 वर्ष के

रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई और विश्व कप जीतने का उनका सपना अधूरा ही रह गया। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा ,'' जब भी हम उसे खेलते देखते हैं तो वह हमें खास महसूस कराता है।'' उन्होंने कहा ,'' उसमें कुछ तो है कि लोग उसे पसंद करते हैं। सिर्फ अर्जेंटीना में ही नहीं , हर जगह। हम खुशकिस्मत हैं कि वह हमारी टीम में है।''

अर्जेंटीना के लिये डिएगो माराडोना के बाद मेस्सी का ही नंबर आता है लेकिन विश्व कप जीतने पर वह माराडोना के समकक्ष हो जायेंगे। माराडोना ने 1986 में मैक्सिको में टीम को खिताब दिलाया था। मेस्सी को पता है कि उनके पास यह आखिरी मौका है और वह कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहते। इस विश्व कप में वह फ्रांस के काइलियान एमबाप्पे के बराबर पांच गोल कर चुके हैं।इसके साथ ही कई गोलों में सूत्रधार की भूमिका भी निभाई।

न्यूज़ीलैंड के ट्रेंट बोल्ट को नहीं मिल पाई पाकिस्तान के खिलाफ टीम में जगह

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच शुरू होने जा रही सीरीज के पहले ही न्यूजीलैंड टीम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। केन विलियमसन ने कप्तानी छोड़ दी है तो वहीं उनकी जगह टेस्ट टीम का कप्तान टिम साउदी को बनाया गया है। वहीं एक गेंदबाज को भी इस टीम में जगह नहीं मिल पाई है।

जानकारी सामने आई है की न्यूजीलैंड की टीम घोषणा में दिग्गज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को जगह नहीं मिली है। वहीं स्पिन गेंदबाज इश सोढ़ी की टेस्ट क्रिकेट में बड़े लंगे समय के बाद एक बार फिर से वापसी हुई है। आपकों बता दें की ट्रेंट बोल्ड ने टेस्ट, वनडे, टी20 और आईपीएल में कुल 724 विकेट लिए हैं।

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड दौरे का शेड्यूल

पहला टेस्ट, कराची, 26 से 30 दिसंबर

दूसरा टेस्ट, मुल्तान, 3 से 7 जनवरी

वनडे सीरीज शेड्यूल

पहला वनडे, कराची, 10 जनवरी

दूसरा वनडे, कराची, 12 जनवरी

तीसरा वनडे, कराची, 14 जनवरी

फीफा विश्व कप 2022 को लेकर फैंस में दिख कहा गजब का क्रेज

एम्बाप्पे और मेसी को देखने के लिए फुटबॉल दीवाने बेताब

दोहा ,16 दिसम्बर 2022। फीफा विश्व कप अपने अंतिम मुकाम पर पहुंच गया है। फीफा विश्व कप का समापन 18 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेलने के साथ होगा। फाइनल मुकाबले का का आयोजन लुसैल स्टेडियम में किया जाएगा। इस मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस और अर्जेंटीना की टीम के बीच मुकाबला होगा। इस मुकाबले की खासियत है कि दोनों टीमें दो बार विश्व कप विजेता बन चुकी है और तीसरी बार खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी।

फ्रांस 1998 और 2018 में चैंपियन बन चुका है। वहीं अर्जेंटीना की टीम 1978 और 1986 में खिताब पर कब्जा जमा चुकी है। दोनों टीमें तीसरी बार खिताब जीतकर इस पर अपनी दावेदारी करना चाहेंगी। फ्रांस लगातार दूसरी बार विश्व कप पर कब्जाएगी। वहीं अर्जेंटीना की टीम 36 वर्षों के सूखे को खत्म करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

वहीं दोनों टीमों के स्टार खिलाड़ियों को मैदान पर देखने के लिए भी भारी संख्या में लोग मौजूद होंगे। फाइनल मुकाबले के दौरान दोनों ही टीमों को दो शानदार प्लेयर्स भी मैदान पर मौजूद होंगे। इसमें फ्रांस के किलियन एमबाप्पे और दूसरे अर्जेंटीनी कप्तान लियोनेल मेसी होंगे। इस मुकाबले में दोनों जहां विरोधी बनकर मुकाबला करेंगे वहीं दूसरी तरफ मेसी और एमबाप्पे फ्रेंच क्लब पीएसजी के लिए क्लब फुटबॉल खेलते हैं।

इस टूर्नामेंट के दौरान मेसी और एमबाप्पे ने दमदार खेल दिखाते हुए अपनी टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। बता दें कि 23 वर्षीय एमबाप्पे ने दमदार खेल दिखाते हुए टीम के लिए बड़ा योगदान दिया है। लियोनेल मेसी भी इस टूर्नामेंट में अबतक दमदार प्रदर्शन करते आए है।

वहीं अगर खिलाड़ियों के प्लस पॉइंट की बात करें तो एम्बाप्पे स्पीड के मामले में सबसे आगे है। फुटबॉल को अपने कब्जे में रखने की उनके पास अलग ही क्षमता है। एम्बाप्पे की ये खूबी विरोधी टीम के लिए काफी घातक साबित होती है। वहीं लियोनेल मेसी सीनियर खिलाड़ी है। उनके पास गेंद होने पर वो फुटबॉल से अलग ही जादू करते हैं, जिसका नमूना इस टूर्नामेंट में भी कई बार देखने को मिला है।

गोल्डन बूट की लिस्ट में शामिल दोनों प्लेयर

इस टूर्नामेट में एक युवा खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे और दूसरे अर्जेंटीनी कप्तान लियोनेल मेसी ने दमदार खेल दिखाया है। इस मुकाबले में दोनों ने ही खिलाड़ी गोल्डन बूट की रेस में भी बराबर पर चल रहे है। दोनों ने एक समान पांच गोल किए है और गोल्डन बूट की रेस में दोनों सबसे आगे है। एमबाप्पे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक, डेनमार्क और पोलैंड के खिलाफ दो-दो गोल कर चुके है। वही मेसी सऊदी अरब, मेक्सिको, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के खिलाफ गोल दाग चुके है।

बदला लेना चाहेगी अर्जेंटीना

अर्जेंटीना और फ्रांस की टीम इससे पहले वर्ष 2018 में हुए फीफा विश्व कप के प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में भीड़ चुकी है। इस मुकाबले में फ्रांस ने 4-3 से अर्जेंटीना को मात दी थी। इसमें किलियन एमबाप्पे ने अपने पहले ही विश्व कप में दो गोल किए थे। वर्ष 2018 के टूर्नामेंट में एमबाप्पे ने कुल 4 गोल किए थे, जो विश्व कप में उनका पदार्पण था। ऐसे में इस बार फ्रांस और अर्जेंटीना के बीच होने वाला मुकाबला काफी दिलचस्प होने जा रहा है।

आरआरआर ने फिर रचा इतिहास,क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड्स में मिले पांच नॉमिनेशन

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर आए दिन एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। पिछले दिन इसे गोल्डन ग्लोब्स में दो श्रेणियों के लिए नॉमिनेशन मिला और अब इस फिल्म को क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड्स 2023 के लिए पांच नॉमिनेशन मिले हैं, जिसके बाद फिल्म की टीम की खुशी का ठिकाना नहीं है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है।क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स 2023 में भी आरआरआर ने इतिहास रच दिया है। इसे बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट विदेशी भाषा फिल्म, बेस्ट विजुअल अफेक्ट और बेस्ट सॉन्ग (नातु नातु) जैसी पांच श्रेणियों में नॉमिनेट किया गया है। आरआरआर के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर लिखा गया है, एक और दिन और आरआरआर के लिए एक और माइलस्टोन। इस खबर से फिल्म के प्रशंसक सातवें आसमान पर हैं। क्रिटिक्स फिल्म चॉइस अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ कंटेंट और प्रदर्शन को सम्मानित किया जाता है। आरआरआर 1920 के दशक में दो भारतीय क्रांतिकारियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के इर्द-गिर्द बुनी गई है। राम चरण और जूनियर एनटीआर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 24 मार्च को दुनियाभर में तेलुगु,

तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज हुई थी। इसमें आलिया भट्ट और अजय देवगन ने भी अहम भूमिका निभाई है। इसने गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2023 में बेस्ट नॉन इंग्लिश फिल्म और बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग की श्रेणी में दो नॉमिनेशन हासिल किए हैं।

आरआरआर को अटलांटा फिल्म क्रिटिक्स सर्कल द्वारा बेस्ट इंटरनेशनल पिक्चर के रूप में सम्मानित किया गया है। सैटर्न अवॉर्ड्स 2022 में बेस्ट इंटरनेशनल फिल्म का अवॉर्ड भी यह अपने नाम कर चुकी है। इसने फिलाडेल्फिया फिल्म फेस्टिवल में नैरेटिव ऑडियंस अवार्ड भी जीता था। राजामौली को इसके लिए न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल की तरफ से सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा गया। आरआरआर 1,000 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने वाली तीसरी भारतीय फिल्म भी है। आरआरआर ने रजनीकांत की मुथु को पीछे छोड़ते हुए जापान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड बनाया है। यह रिकॉर्ड बीते दो दशकों से मुथु के पास था। इसने जापानी बॉक्स ऑफिस पर 400 मिलियन जापानी येन यानी लगभग 24 करोड़ रुपये कमाए थे, लेकिन आरआरआर यह आंकड़ा पार कर चुकी है। यह फिल्म 21 अक्टूबर को जापान के 44 शहरों और प्रान्तों में 209 स्क्रीन्स और 31 आईएमएक्स स्क्रीन्स पर रिलीज हुई थी।

आईएमडीबी की सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्मों की सूची में ऋऋऋ पहले नंबर पर है। दूसरे नंबर पर द कश्मीर फाइल्स और तीसरे नंबर पर केजीएफ- 2 है। विक्रम, कांतारा, रॉकेट्री, मेजर, सीता रामम, पोन्नियन सेल्वन और 777 चार्ली भी टॉप 10 में शामिल हैं।

बैकलेस ड्रेस में रिया चक्रवर्ती ने दिए ऐसे पोज,नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती आए दिन अपनी बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसमें रिया चक्रवर्ती बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। रिया चक्रवर्ती हर वक्त फैंस के बीच अपने हुस्न के जलवे बिखेरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही खूबसूरत और हॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपने हर अंदाज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आती हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का फैशन सेंस हमेशा से ही कमाल का रहता है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वो सुपर बोल्ड लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

CMYK

छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान के गौरवपूर्ण उत्थान का पर्व

छत्तीसगढ़ शासन

न्याय, प्रगति, समता, समृद्धि की चार वर्षों की सफल यात्रा

4 खुशहाल साल

छत्तीसगढ़

गौरव दिवस

17 दिसंबर

छत्तीसगढ़िया सरकार के 4 साल

- देश में **सबसे कम** बेरोजगारी दर
- **15 हजार करोड़ रु** की आदान सहायता से किसानों और आर्थिक तौर पर निःशक्तजनों का सशक्तीकरण
- **2 लाख से ज्यादा** बच्चे कुपोषण से मुक्त
- **1.11 लाख** स्त्रियों ने एनीमिया पर विजय पाई
- **90 लाख से ज्यादा** लोगों के घर पर गुणवत्तापरक और मुफ़्त चिकित्सकीय सुविधा
- **2,218** नई औद्योगिक इकाईयां
- **21,457** करोड़ रुपए का निवेश
- **247** आधुनिक विद्यालयों में **2.50 लाख** विद्यार्थियों का प्रवेश
- **6** नए जिलों, **77** नई तहसीलों और **19** अनुभागों से प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण
- देश में कुल वनोपज उत्पादन में **74%** की हिस्सेदारी
- आवश्यक सरकारी दस्तावेजों की घर पहुँच सुविधा

श्री भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 34947/60

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)